केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 217 मंगलवार 4 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

शाम को सज जाती हैं इफ्तार की दुकानें

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रमजानुल मुबारक में शाम होते ही मुस्लिम बाहुल्य गांव व मोहल्लों में इफ्तार के सामान की दुकानें सज जाती हैं। यहां पर फल, खजूर से लेकर पकौड़ी, समोसा, मिठाई की खूब खरीदारी होती है। रोजा खोलते समय इन चीजों का इस्तेमाल बहुतायत में किया जाता है। इसी के साथ जगह–जगह सामूहिक रोजा इफ्तार के कार्यक्रम भी शुरू हो गए हैं। साऊंघाट ब्लॉक की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत जमदाशाही के मुख्य चौराहे पर पहली रमजानुल मुबारक के अवसर पर नजारा कुछ अलग नजर आ रहा था। यहां की जनसख्ंया 14 हजार से अधिक है तथा 90 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम आबादी है। यहां पर चार बड़ी मस्जिद हैं तथा चार मदरसे चलते हैं। दोपहर बाद यहां पर फलों की दर्जनों दुकानें सज गई थीं।

इन दुकानों पर सेब, केला, संतरा, तरबूज, खरबूज आदि सजा हुआ था। दुकानों पर लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था, अपनी पसंद के फल खरीद रहे थे। सबसे ज्यादा बिक्री खजूर की हो रही थी। इसके अलावा रोजा इफ्तार में इस्तेमाल होने वाली पकौड़ी, चना, मोमोज, समोसा, बड़ा पाव की भी दुकानें सजी हुई थीं। संतकबीरनगर व सिद्धार्थनगर जिले से भी यहां पर बिस्कुट आदि की आपूर्ति होती है।

गांव निवासी अतीकुर्रहमान ने बताया कि रात 9रू30 बजे तक तरावीह की नमाज चलती है। उसके बाद मुख्य चौराहे पर भीड़ बढ़ जाती है। रात लगभग 11 बजे तक यहां मेले जैसा माहौल रहता है। देर रात तक चाय की दुकानें खुली रहती हैं। मो. हस्सान व मो. करीमुल्लाह ने बताया कि सुबह से दोपहर तक बाजार में सन्नाटा रहता है। दोपहर बाद चहल पहल बढ़ जाती है जो देर रात तक जारी रहती है।

पूर्व अवर अभियंता राजकेशर सिंह के खिलाफ विभागीय जांच शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विद्युत उपकेंद्र दुबौलिया के पूर्व अवर अभियंता राजकेशर सिंह के खिलाफ विभागीय जांच शुरू हो गई है। दुबौलिया ब्लॉक की ग्राम पंचायत लक्ष्मनपुर की ग्राम प्रधान शेभावती ने पॉवर कॉरपोरेशन उप्र के चेयरमैन को भेजे शिकायती पत्र में अवर अभियंता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। चेयरमैन के निर्देश पर अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मंडल बस्ती प्रशांत सिंह ने अधिशासी अभियंता द्वितीय राम नरेश की अध्यक्षता में जांच समिति का गठन करके शिकायत के सभी बिन्दुओं की जांच कर रिपोर्ट तलब किया है। अवर अभियंता अपनी तैनाती के दौरान काफी सुर्खियों में रहे। उन पर आरोप है कि 200 मीटर केबल खींचकर भरपुरा गांव में एक मुर्गी फार्म पर कॉमर्शियल कनेक्शन जारी कर दिया। जब इसकी शिकायत हुई तो आनन–फानन में वहां तक लाइन बनाने का आरोप लगा। उपभोक्ता से इस्टीमेट कॉस्ट नहीं जमा कराई गई। लंबे केबल के कई कनेक्शन जारी कर दिए गए। लाइन बनाने में मनमानी के उन पर कई गंभीर आरोप लगे हैं। सबसे चर्चित मामला तब सामने आया जब उपकेंद्र पर काम कर रहे आठ संविदा कर्मियों को इस आरोप में बाहर का रास्ता दिखा दिया गया कि उन लोगों ने लाइन में व्यवधान पैदा किया है। इसके विपरीत संविदा कर्मियों का कहना था कि पुलिस जांच में वह लोग निर्दोष मिले हैं। जेई के गलत काम में साथ नहीं देने के कारण वह उनसे खुन्नस खाए रहते थे। इसी का बदला उन्होंने निकाला है। अवर अभियंता के खिलाफ लगातार मिल रही शिकायतों के बाद उन्हें मीटर परीक्षण खंड में स्थानांतरित कर दिया गया।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने आकाश आनंद को बसपा से निष्कासित किया

लखनऊ (आभा)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोमवार को एक बड़ा ऐलान करते हुए पार्टी की सदस्यता समाप्त करते हुए अपने भतीजे आकाश आनंद को बसपा से बाहर कर दिया। उन्होंने एक्स हैंडल लेते हुए कहा कि परमपूज्य बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के स्वाभिमान और स्वाभिमान आंदोलन के हित में और पूज्य कांशीराम जी की अनुशासन परंपरा का पालन करते हुए आकाश आनंद को उनके ससुर की तरह पार्टी और आंदोलन के हित में पार्टी से निष्कासित किया जाता है।

मायावती ने एक्स पर लिखा कि बीएसपी की आल–इण्डिया की बैठक में कल आकाश आनन्द को पार्टी हित से अधिक पार्टी से निष्कासित अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में लगातार बने रहने के कारण नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था, जिसका उसे पश्चताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी। लेकिन इसके विपरीत श्री आकाश ने जो अपनी लम्बी–चौड़ी प्रतिक्रिया दी है वह उसके पछतावे व राजनीतिक मैच्युरिटी का नहीं बल्कि उसके ससुर के ही प्रभाव वाला ज्यादातर स्वार्थी, अहंकारी व गैर–मिशनरी है, जिससे बचने की सलाह मैं पार्टी के ऐसे सभी लोगों को देने के साथ दण्डित भी करती रही हूँ।

इसके बाद उन्होंने कहा कि अतः परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के आत्म–सम्मान व स्वाभिमान मूवमेन्ट के हित में तथा मान्यवर कांशीराम जी की अनुशासन की परम्परा को निभाते हुए आकाश आनन्द को, उनके ससुर की तरह, पार्टी व मूवमेन्ट के हित, में पार्टी से निष्कासित किया जाता है। बसपा के सभी पार्टी पदों से हटाए जाने के बाद आकाश आनंद ने सोमवार को कहा कि वह निडर बने हुए हैं और उन्हें बहुजन आंदोलन के आदर्शों से ताकत मिली है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष कोई करियर नहीं बल्कि हाशिए पर रहने वाले समुदायों के आत्मसम्मान और आत्मसम्मान की लड़ाई है।

बौद्ध संगठन ने किया भारत बंद की घोषणा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुद्धिस्ट इंटरनेशनल नेटवर्क ने बोधगया महाविहार को लेकर बड़ा आंदोलन छेड़ने की घोषणा की है। संगठन का कहना है कि भगवान बुद्ध को जहां ज्ञान प्राप्त हुआ, वह पवित्र स्थल ब्राह्मणों के नियंत्रण में नहीं होना चाहिए।

जिलाधिकारियों के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजे गए ज्ञापन में कहा गया है कि 8 मार्च को जिला मुख्यालयों पर धरना–प्रदर्शन होगा। 22 मार्च को प्रदर्शन रैली निकाली जाएगी। 9 अप्रैल को जेल भरो आंदोलन होगा। आंदोलन का समापन 1 जुलाई को भारत बंद के साथ होगा।

संगठन की प्रमुख मांगों में महाबोधि टेंपल एक्ट 1949 को रद्द कर नया कानून बनाना शामिल है। वे चाहते हैं कि मंदिर का प्रबंधन केवल बौद्धों के पास हो। मंदिर परिसर से शिवलिंग और पांडवों के उल्लेख को हटाने की भी मांग की गई है। संगठन का कहना है कि यह अंतरराष्ट्रीय धरोहर का अपमान है।

अन्य मांगों में महंत के पास मौजूद बुद्ध प्रतिमाओं को बोधगया संग्रहालय को सौंपना, मंदिर परिसर में लाउडस्पीकर के दुरुपयोग पर रोक और सम्राट अशोक के महल के अवशेषों की खोज शामिल हैं। साथ ही चुनाव में ईवीएम की जगह बैलेट पेपर का उपयोग करने की मांग भी की गई है।

बुद्धिस्ट इंटरनेशनल नेटवर्क ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने इन मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो आंदोलन को और तीव्र किया जाएगा।

उद्योग बंधु की बैठक में समस्याओं के निस्तारण का निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता के निर्देशानुसार मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बन्धु एवं व्यापार बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न हुआ। उन्होने निवेशमित्र पोर्टल पर विभागवार लम्बित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों को समयान्तर्गत निस्तारित करें। उन्होने बैठक में उपस्थित उद्यमियों की समस्याओं को एक–एक करके गम्भीरतपूर्वक सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, ऋण योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना, एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण सहायता, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, औद्योगिक इकाईयों की कानूून एवं सुरक्षा व्यवस्था पर विचार की समीक्षा करते हुए उन्होने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होने कहा कि बैठक में दिये गये निर्देशों का अधिकारीगण शतप्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें।

व्यापार बंधु की बैठक में विभिन्न व्यापार संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा अपनी समस्या रखी गयी, जिस पर मुख्य राजस्व अधिकारी द्वारा संबधित विभागों को निर्देशित करते हुए समस्याओं के निराकरण हेतु उचित कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में व्यापारियों द्वारा जिलें में जलभराव, जर्जर सड़को व यातायात जाम तथा बंदरों की समस्या के संबध में मुख्य राजस्व अधिकारी को अवगत कराया गया, जिस पर उन्होने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप एवं उपायुक्त राज्य कर उपेन्द्र यादव ने किया। इसमें प्रभारी सीडीओ राजेश कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह, एलडीएम आर.एन. मौर्या, एआरटीओ पंकज कुमार, महासचिव चेम्बर आफ कॉमर्स एण्ड इण्ड0 एच0सी0शुक्ला एवं अध्यक्ष अशोक सिंह, इण्डस्ट्रियल डेवलपमेण्ट एसोसीएशन अनिल सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं उद्यमीगण तथा जिले के प्रमुख उद्योगपति, उद्योग व्यापार प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

पूरी रात चला विश्व हिन्दू महासंघ का धरना, लाइन हाजिर सिपाही निलम्बित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद के सोनहा थाने में पीआरवी कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर विश्व हिंदू महासंघ का धरना पूरी रात चला। सोमवार की सुबह भी जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह, कार्यकर्ता और अधिवक्ता भी धरने पर डटे रहे। उनका कहना है कि जब तक आरोपी पुलिस कर्मियों पर मुकदमा दर्ज नहीं किया जाता है, धरना जारी रहेगा। बता दें कि सोनहा थानाक्षेत्र के अमरौली शुमाली टोला रामनगर में रविवार को अवैध कब्जे की शिकायत पर पहुंची डायल 112 की पीआरवी पर तैनात सिपाही समेत दो कर्मियों पर बदसलूकी का आरोप लगा था। अपशब्द कहने, मारने–पीटने व जानमाल की धमकी देने के आरोप में सिपाही अरुण को लाइन हाजिर कर दिया गया था। सीओ रूधौली ने निलंबन की संस्तुति भी कर दी है।

घटनाक्रम से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मौके पर विवाद करने के आरोप में रविवार को पुलिस चार लोगों को हिरासत में लेकर थाने पर ले आई थी। सोनहा पुलिस ने एक पक्ष के अखिलेन्द्र व दूसरे पक्ष के अरविन्द, दिलीप व ध्रवचन्द को शांतिभंग में पाबंद कर दिया था। थोड़ी देर में विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह, कार्यकताओं के साथ ही कुछ अन्य लोग थाने पर पहुंच गए थे। आरोप है कि थाने से भीड़ तीन लोगों को जबरन अपने साथ ले जाने का प्रयास करले लगी। यह देख थाने पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने रोका तो इसे लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद विहिम के कार्यकर्ता व अधिवक्तागण थाने पर धरने पर बैठ प्रदर्शन कर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे थे। आरोपित पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज किए जाने तक धरना जारी रखने की चेतावनी दी। थाने पर डायल 112 प्रभारी शशांक शेखर राय भी पहुंच गए। पुलिस अफसर धरनारत लोगों से बातचीत कर मामले को शांत कराने में जुटे रहे, लेकिन धरना समाप्त नहीं हो सका है।

अमरौली शुमाली गांव में चकबंदी चल रही है। गांव के टोला रामनगर के अखिलेन्द्र श्रीवास्तव व अरविंद चौधरी सहित अन्य लोगों से करीब 40 वर्षो से जमीन को लेकर न्यायालय में विवाद चल रहा है। आरोप है कि करीब 12 दिन पूर्व विवादित जमीन पर अरविंद चौधरी ने टीनशेड डालकर मवेशी बांध दिया गया। इसकी शिकायत अखिलेंद्र श्रीवास्तव ने की। बीते शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में दोनों पक्षों के मध्य एसडीएम भानपुर आशुतोष तिवारी व नायब तहसीलदार सहित चकबन्दी लेखपाल की मौजूदगी में सुलहनामा हुआ कि चकबंदी के न्यायालय के आदेश आने तक दोनों पक्ष विवादित जमीन पर यथास्थिति कायम रखेंगे। कोई पक्ष कोई काम नहीं करेगा। पुलिस ने दोनों पक्षों के दो लोगों का शांति भंग की आंशका में पाबंद कर दिया था। रविवार की सुबह अखिलेंद्र ने डायल 112 को सूचना दी कि विपक्षी अरविंद चौधरी विवादित जमीन पर कब्जा कर रहे हैं और मवेशी बांध रहे हैं। इस पर डायल 112 की पुलिस पहुंची थी।

डायल 112 के सिपाही अरूण को लाइन हाजिर कर दिया गया है। इस बावत सीओ रुधौली स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि आरोपित सिपाही अरूण को लाइन हाजिर किया जा चुका है। प्रारंभिक जांच के आधार पर उसके निलंबन की संस्तुति कर उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेज दी गई है।

प्रधान पति अब महिला सरपंचों की जगह नहीं ले पाएंगे

नई दिल्ली (आभा)। भारत की पंचायतों में महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों पर अधिकांश मामलों में उनके पति या उनके घर के दूसरे पुरुष कार्यभार संभालते हैं. पंचायती राज मंत्रालय की तरफ से गठित एक समिति ने इस पर अपनी रिपोर्ट जारी की है.वेब सीरीज ष्पंचायतष् में ग्राम फुलेरा की प्रधान मंजू देवी (नीना गुप्ता) तब एक बड़े संकट में फंस जाती हैं, जब जिलाधिकारी को यह भनक लग जाती है कि पंचायत का असली काम तो उनके पति (रघुबीर यादव) संभाल रहे हैं.यह कहानी भारत की कई ग्राम पंचायतों की है, जहां महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों पर चुनी गई महिला प्रधान की जगह उनके पति या उनके घर के ही दूसरे पुरुष उनकी जगह सारा काम देखते हैं. हाल ही में ऐसे मामलों पर पंचायती राज मंत्रालय द्वारा गठित एक समिति ने अपनी रिपोर्ट मंत्रालय को सौंप दी.अब पहले से ज्यादा घरेलू काम कर रहे हैं पुरुषइस रिपोर्ट में प्रधान पति जैसी प्रथा को रोकने के लिए ऐसे मामलों में लिप्त पाए जाने वाले लोगों पर भारी दंड की सिफारिश की गई है.साथ ही महिलएं बेहतर तरीके से काम कर पाएं इसके लिए उन्हें एआई के जरिए बेहतर प्रशिक्षण देने और नीतिगत सुधार लाने की बात कही गई है।

महिलाओं को सशक्त बनाने और गांवों के विकास में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए संविधान संशोधन के जरिए 1992 में तीन स्तर (ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद) की पंचायत प्रणाली की स्थापना की गई थी, जिसमें महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित की गई.आगे चलकर 21 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों ने इसे बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया.कौन होते हैं प्रधान पति, प्रधान पति, 'सरपंच पतिष् या 'मुखिया पति' नाम के पद निर्वाचित महिलाओं के पतियों को मिलता है, जो अपनी पत्नी की जगह काम करते हैं.इस वजह से निर्वाचित महिला प्रतिनिधि बस नाममात्र की प्रतिनिधि रह जाती हैं और सारी शक्तियां उनके पतियों के हाथ में आ जाती हैं.टेलिग्राम पर बेची जा रही महाकुंभ में आई महिलाओं की तस्वीरेंमंत्रालय की ओर से गठित समिति ने अपनी रिपोर्ट में इस समस्या का जिक्र किया है.ष्पंचायती राज प्रणालियों और संस्थानों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व और भूमिकाओं को बदलनारू प्रॉक्सी भागीदारी के प्रयासों को खत्म करनाष विषय पर जारी रिपोर्ट में इस व्यवस्था को खत्म करने की सिफारिश के साथ–साथ इसमें सुधार के लिए कई उपाय भी सुझाए गए हैं.भारत में पंचायत के तीन स्तरों पर लगभग 2.63 लाख पंचायतें हैं.इनमें 32.29 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों में 46.6 फीसदी (15.03 लाख) महिलाएं हैं. रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और राजस्थान जैसे उत्तर भारतीय राज्यों में ऐसे मामलों की संख्या ज्यादा है, जहां महिला प्रतिनिधियों की जगह पुरुष काम करते है।

4 वर्षीय बच्चे के हत्या मामले में यूपी की महिला को सजा–ए–मौत

नई दिल्ली (आभा)। संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में चार महीने के बच्चे की कथित हत्या के लिए मौत की सजा का सामना कर रही उत्तर प्रदेश की महिला शहजादी खान को 15 फरवरी को ही फांसी दे दी गई। यह जानकारी महिला की सलामती के लिए पिता द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान सोमवार को दिल्ली हाई कोर्ट में विदेश मंत्रालय ने दी है। इस घटनाक्रम की जानकारी मिलने पर जस्टिस सचिन दत्ता ने इसे 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' बताया। बांदा जिले की 33 वर्षीय महिला को चार महीने के एक बच्चे की हत्या के आरोप में अबू धाबी में फांसी की सजा दी गई है।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने अदालत को बताया, "इस मामले का पटाक्षेप हो गया है। उसे 15 फरवरी को ही फांसी दे दी गई। उसका अंतिम संस्कार 5 मार्च को होगा।" सरकार की ओर से यह जानकारी शहजादी खान के पिता द्वारा बेटी की सलामती की जानकारी पाने के लिए दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दी गई।शहजादी खान को 10 फरवरी, 2023 को अबू धाबी पुलिस को सौंप दिया गया था और उसे 31 जुलाई, 2023 को मौत की सजा सुनाई गई। उसे अल वथबा जेल में रखा गया था।

उत्तर प्रदेश के बांदा निवासी शब्बीर खान ने कहा कि उनकी बेटी शहजादी की स्थिति को लेकर 'घोर अनिश्चितता' बनी हुई थी और स्थिति जानने के लिए विदेश मंत्रालय को कई बार आवेदन दिया लेकिन सारी कोशिशें बेकार गईं। याचिका में आरोप लगाया गया कि शहजादी को उसके नियोक्ता के चार महीने के बच्चे की कथित हत्या के मामले में स्थानीय अदालतों के समक्ष अपना पक्ष रखने का पूरा मौका नहीं दिया गया और उस पर अपराध स्वीकार करने के लिए दबाव डाला गया, जिसके कारण उसे मौत की सजा मिली।

इससे पहले याचिकाकर्ता के वकील ने सुनवाई के दौरान कहा कि उनकी सीमित प्रार्थना यह जानने के लिए है कि क्या उनकी बेटी जीवित है या उसे फांसी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि 14 फरवरी को शहजादी ने जेल से परिवार को फोन करके बताया था कि उसे एक–दो दिन में फांसी दे दी जाएगी और यह उसकी आखिरी कॉल है। उन्होंने बताया कि तब से परिवार को उसकी कोई जानकारी नहीं है।

केंद्र का पक्ष रख रहे अधिवक्ता ने अदालत को सूचित किया कि दूतावास के अधिकारी और याचिकाकर्ता संपर्क में हैं और परिवार के सदस्यों के बेटी की अंत्येष्टि में शामिल होने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा, "हमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की। हमने अदालत में उसका प्रतिनिधित्व करने के लिए वहां एक कानूनी फर्म को नियुक्त किया। लेकिन वहां के कानून शिशु की हत्या के मामले में बहुत ही कठोर हैं।"

याचिका के मुताबिक शहजादी वैध वीजा के साथ दिसंबर 2021 में अबू धाबी गई थी। अगस्त 2022 में, उसके नियोक्ता ने एक बेटे को जन्म दिया, जिसके लिए शहजादी को देखभाल करने वाले के रूप में नियुक्त किया गया था। सात दिसंबर, 2022 को, शिशु को नियमित टीके लगाए गए और उसी शाम दुखद रूप से उसकी मृत्यु हो गई। याचिकाकर्ता के मुताबिक शिशु के माता–पिता ने पोस्टमार्टम की अनुमति देने से इनकार कर दिया और साथ ही मौत की जांच से छूट देने के समझौते पर भी हस्ताक्षर किए।

मुम्बई से बस्ती पहुंचा युवक का शव पुलिस की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थाना क्षेत्र के तेनुआ–असनहरा गांव निवासी भाकियू नेता के पुत्र के शव का अंतिम संस्कार रविवार को पुलिस की मौजूदगी में कुआनो नदी के घाट पर हुआ। मारपीट में घायल युवक का इलाज मुंबई में चल रहा था। वहां इलाज के दौरान मौत हो गई। रविवार को शव मुंबई से बस्ती पहुंचा। भाकियू नेता ने सोनहा पुलिस को सूचना देकर प्रकरण में कार्रवाई की मांग की। रविवार को अंतिम संस्कार के दौरान पुलिस के साथ ही दर्जनों भाकियू नेता व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। सोनहा थाने के तेनुआ–असनहरा निवासी भाकियू नेता रामजीत चौधरी का बेटा किशन कन्हैया (21) नासिक में अपने गांव के ही कुछ युवकों के साथ टाइल्स लगाने का काम करता था। आरोप है कि काफी दिनों से मजदूरी नहीं मिलने पर उसने गांव के ही साथी युवकों से जब हिसाब मांगा तो विवाद हो गया। इन लोगों ने उसकी पिटाई कर दी।

घायलावस्था में करीब एक माह से उसका इलाज चल रहा था। पिछले 27 फरवरी की रात मुंबई के एक अस्पताल में किशन कन्हैया ने दम तोड़ दिया। मुंबई में पोस्टमार्टम के बाद रविवार को मुंबई से शव गांव पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया। पिता रामजीत ने इस घटनाक्रम की जानकारी शव पहुंचने से पहले ही सोनहा पुलिस दे दी थी। रविवार को कुआनो नदी के घाट पर शव का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान सोनहा पुलिस की टीम भी मौजूद रही। पिता रामजीत चौधरी ने सोनहा से उचित कार्रवाई की मांग की है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 मार्च 2025 मंगलवार

सम्पादकीय

शिक्षा क्षेत्र के संकट

देश के कई विद्यालयों में विद्यार्थियों का घटता नामांकन चिंता का विषय है। एक रपट में कहा गया है कि देशभर में कम से कम पैंतीस फीसद स्कूलों में पचास या उससे कम ही विद्यार्थी पढ़ते हैं। कई स्कूलों में एक या दो ही शिक्षक हैं। दस फीसद स्कूलों में बीस से कम विद्यार्थी आ रहे हैं। यह स्थिति स्कूली शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिह्न है। स्कूलों में नामांकन की स्थिति पर जो विश्लेषण सामने आया है, वह बेहद निराशाजनक है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि भारत में लगभग 12.6ः छात्र पढ़ाई छोड़ देते हैं। इनमें से 19.8ः माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ते हैं और 17.5ः उच्च प्राथमिक स्तर पर। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम, ओड़ीशा, आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड और राजस्थान जैसे राज्यों में उपलब्ध स्कूलों की संख्या नामांकित छात्रों के प्रतिशत से अधिक है, जिसका अर्थ है कि उपलब्ध स्कूलों का कम उपयोग हो रहा है।

शिक्षा तक सभी की पहुंच समाज और देश के विकास और प्रगति के लिए अनिवार्य है। लेकिन इस दिशा में काफी काम करने की जरूरत है। अभी तक हम चुनौतियों से पार नहीं पा सके हैं। कई परिवार, विशेष रूप से गरीबी में रहने वाले परिवार, अपने बच्चों के योगदान पर निर्भर रहते हैं। बाल श्रम न केवल उन्हें शिक्षा के अपने अधिकार से वंचित करता है बल्कि उन्हें संभावित शोषण और स्वास्थ्य जोखिमों के लिए भी उजागर करता है। दूसरा है, बाल विवाह। कम उम्र में विवाह, खास तौर पर लड़कियों के लिए, स्कूल छोड़ने की दर में अहम योगदान देता है।

इसके अलावा, आकर्षक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी भी छात्रों की प्रतिबद्धता को कम कर सकती है। भारत में स्कूल छोड़ने के पीछे लैंगिक असमानता एक और बड़ी वजह है। सुरक्षा संबंधी चिंताएं, घरेलू जिम्मेदारियों और सामाजिक मानदंड अक्सर लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने से रोकते हैं। कुपोषण और पुरानी बीमारियों सहित स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, स्कूल छोड़ने वालों में योगदान करती हैं। माता–पिता की भागीदारी बच्चे की शैक्षिक सफलता में एक बड़ी भूमिका निभाती है।

सवाल है कि कैसे हो सुधार। सरकार को प्रारंभिक बचपन शिक्षा कार्यक्रमों को प्राथमिकता देनी चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बच्चों के लिए जरूरी है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निवेश करके प्रभावी शिक्षण देने के लिए कौशल और ज्ञान की गारंटी सुनिश्चित की जा सकती है। परामर्श केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं। कई बच्चे, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण स्कूल छोड़ देते हैं।

बच्चों की समस्या को हल करने में समुदाय और अभिभावकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं। नियमित स्वास्थ्य जांच और मध्याह्न भोजन योजनाओं सहित स्कूल स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। बाल श्रम के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं। कई स्तरों पर प्रयास करना होगा, तभी शिक्षित भारत के लक्ष्य के लिए मजबूती से काम हो सकेगा।

सफाई और मौतें

दिल्ली के नरेला में सीवर की सफाई करने उतरे दो मजदूरों की दम घुटने से मौत की घटना से एक बार फिर स्पष्ट हुआ है कि इस समस्या पर काबू पाने को लेकर संबंधित सरकारी महकमों के भीतर कोई गंभीरता नहीं है। वरना, क्या वजह है कि इस मसले पर घोषित किए जाने वाले तमाम नियम–कायदों पर अमल को लेकर कभी सख्ती सामने नहीं आई।नतीजतन, आए दिन ऐसी घटनाएं होती हैं, जिनमें मजदूरों को बिना सुरक्षा उपकरणों के सीवर की सफाई के लिए भीतर उतार दिया जाता है और उसमें मौजूद खतरनाक जहरीली गैसों की चपेट में आकर कइयों की जान चली जाती है। नरेला की घटना में सीवर में उतरे मजदूरों को बचाने की कोशिश में एक अन्य मजदूर भी बेहोश हो गया। जब भी इस तरह की घटना होती है तो सरकार जांच और कार्रवाई के साथ–साथ इस तरह काम कराने पर रोक लगाने की बात तो करती है, लेकिन नतीजा फिर ढाक के वही तीन पात होता है।

सीवर, नालों और शौचालय की हाथ से या सामान्य तरीके से सफाई पर काफी पहले पाबंदी लगाने की घोषणा हो चुकी है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट ने भी समय–समय पर सख्त निर्देश दिए हैं। मगर जो सरकारें अन्य मामलों में कानूनों को लागू करने में बेहद सक्रिय दिखती हैं, उनमें सीवर या बड़े नालों में मजदूरों को उतार कर सफाई कराने पर पूरी तरह रोक लगाने की इच्छाशक्ति नहीं दिखती। क्या ऐसा इसलिए है कि ऐसी घटनाओं के पीड़ित समाज के सबसे दबे–कुचले वर्ग से आते हैं?

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिस दौर में दुनिया भर में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में रोज नई ऊंचाइयां हासिल करने के दावे हो रहे हैं, उसमें हमारे देश के अलग–अलग हिस्सों से अक्सर सीवर की सफाई के दौरान मजदूरों की मौत की खबरें आती रहती हैं। सवाल है कि आज जब सभी क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकी का दायरा फैल रहा है, ज्यादातर कामों को मशीनों के सहारे किया–कराया जा रहा है, सीवर की सफाई क्यों इंसान से कराई जाती है।

पेड़ पौधों को निगलती सड़के और पर्यावरण

– अशोक मधुप–

विकास के लिए जहां पेड़ों का कटना जरूरी है वहीं समय की जरूरत कुछ और है। वनों का तेजी के साथ दोहन होने से पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। जलवायु बदल रही है। सासों पर संकट बढ़ रहा है। पोल्यूशन बढ़ने के कारण आक्सीजन मिलना दुर्लभ होता जा रहा है।

केंद्र में भाजपा सरकार आने के बाद देश में नेशनल हाई.वे और एक्सप्रेस वे का निर्माण बड़ी तेजी के साथ शुरू हुआ। यह कार्य अनवरत जारी है। 2014–15 में जब केंद्र में भाजपा की सरकार बनी तो देश में कुल 97,830 किमी लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग थे। मार्च 2023 तक देश भर में अलग–अलग 145,155 किमी लंबे राजमार्ग हो चुके थे। ये कार्य निरंतर जारी है। राजमार्ग के साथ ही तेजी से जगह जगह स्टेट हाई वे और जिला मार्ग भी बन रहे हैं। इन मार्ग के बनाने के लिए भारी संख्या में सड़क के किनारे के पेड़ कट रहे हैं। कटने वालों पेड़ के मुकाबले लगने वाले वृक्षों की संख्या कम है। सरकारी आंकड़े हैं कि लगने वाले वृक्षों लगभग 24 प्रतिशत मर जाते हैं। ऐसे में आज जरूरत है कि किसी भी तरह का मार्ग बनाया जाए उसके किनारे के बड़े और पुराने पेड़ न काटें जाएं। उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया जाए।

लोकसभा में 22 जुलाई 2019 को दी गयी जानकारी में बताया गया था कि 2014 से 2019 के पांच साल के अंतराल में 1.09 करोड़ पेड़ काटने की अनुमति दी गई। सबसे ज्यादा अनुमति 2018–19 में 2691028 पेड़ काटने की दी गई। यह संख्या तो अनुमति लेकर काटे गए पेड़ों की है। मानना है कि इससे भी कई गुना पेड़ प्रति वर्ष बिना अनुमति लिए कट जाते हैं। ये काम उन अधिकारियों से मिलकर होता है, जो पेड़ों के कटान रोकने के लिए जिम्मेदार है। 13 दिसंबर 2021 को संसद में पेश किए गए एक लिखित जवाब के मुताबिक वित्त वर्ष 2016–17 से 2020–21 के बीच देश भर में वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत जितने पौधे लगाए गए थे, उसमें से 4.84 करोड़ पौधे खत्म हो गए।

उन्होंने दावा किया कि इन पांच वर्षों में कुल 20.81 करोड़ पौधे लगाए गए ।इसमें से 15.96 करोड़ पौधों को ही बचाया जा सका है। इस आधार पर यदि राष्ट्रीय औसत देखें तो प्रतिपूरक वनीकरण के तहत वन कटाई के बदले जितने पौधे लगाए जा रहे हैं, उसमें से 24 फीसदी पौधे तमाम कारणों से खत्म हो जाते हैं। एक पेड़ की कीमत जानने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी एक पेड़ की कीमत 74 हजार 500 रुपये प्रति सालाना हो सकती है। हर हर साल बीतने के साथ ही उसकी कीमत में ये राशि जुड़ जाती है। इस एक पेड़ की कीमत से हम अनुमान लाग सकते है कि प्रतिवर्ष लाखों पेड़ काट कर देश की कितनी बड़ी संपदा का हम दौहन कर रहे हैं।

विकास के लिए जहां पेड़ों का कटना जरूरी है वहीं समय की जरूरत कुछ और है। वनों का तेजी के साथ दोहन होने से पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। जलवायु बदल रही है। सासों पर संकट बढ़ रहा है। पोल्यूशन बढ़ने के कारण आक्सीजन मिलना दुर्लभ होता जा रहा है। इसी से महानगरों में आदमी की आम आयू कम हो रही है। इसीलिए आज जरूरी हो गया है कि विकास के लिए पेड़ों को न काटा जाए। इन पेड़ों को काटने की जगह यदि इन्हें दूसरी खाली जगह पर ले जाकर लगाया जाए तो समस्या का निदान हो सकता है। कुछ जगह पर यह कार्य हुआ भी है। गाजियाबाद–दिल्ली ऐलिवेटेड रोड को बनाते समय 64 पेड़ उठाकर दूसरी जगह लगाए गए। उत्तराचंल में भी कई साल पहले यह कार्य हुआ। इसके लिए हम यह कर सकते हैं कि छोटे पेड़ काट दिए जाएं किंतु बड़े पेड़ दूसरी जगह लगा दिए जाएं। पेड़ का लगाना बहुत सरल है। उसे देखरेख करना बड़ा करना बहुत ही कठिन है।

पेड़ों के दोहन में सरकारी नीति भी जिम्मेदार है। नियम है कि पेड़ के काटने के आवेदन के साथ–साथ्ध यह वायदा कराया जाता है कि आज कटे एक पेड़ की जगह दो पेड़ लगाएंगे। प्रति पेड़ काटने के लिए वन विभाग को दो सौ रुपया प्रति पेड़ सुरक्षा धन जमा करना होता है। पेड़ लगाकर वन अधिकारी को आप दिखा देंगे कि पेड़ लगा दिए तो सुरक्षा धन वापस हो जाएगा। आज के समय में दो सौ रुपये कोई मूल्य नहीं रखता । इसलिए कोई पेड़ लगाता नहीं। वन अधिकारी ये दो सौ रुपया सुरक्षा राशि जब्त कर लेते हैं। इस राशि से विभाग बरसात में वृक्षारोपण करता है। पेड़ लगवाने हैं तो हमें यह दो सौ की सुरक्षा राशि बढ़ाकर कम से कम पांच हजार करनी होगी। यह भी आदेश करना होगा कि दस साल से बड़े पेड़ कटेंगे नहीं। दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिए जाएंगे।

एक बात और अवैध रुप से पेड़ कटान का दंड पांच हजार रुपया है। न पकड़े गए तो कुछ भी नहीं। पकड़े जाने पर वन अधिकारी खेल कर लेते हैं। कटते सौ पेड़ हैं दिखाते दस है। इसी तरह से कम पेड़ की अनुमति लेकर ज्यादा पेड़ काटे जाने का प्रायः चलन है। किसान को जरूरत के लिए अपनी भूमि से वृक्ष काटने की अनुमति हो किंतु अवैध रूप से पेड़ काटने पर एक पेड़ पर कम से कम 50 हजार रुपया जुर्माना और छह माह की सजा का प्रावधान होना चाहिए। कोई भी सड़क या उद्योग का प्रोजेक्ट पास करने से पहले पूछा जाना चाहिए कितने पेड़ हैं? दस साल से ज्यादा आयु के पेड़ की संख्या और उससे बड़े इन पेड़ों को किस जगह लगाया जाएगा इस योजना और बजट की जानकारी भी दें। ऐसा करने से हमको ज्यादा पेड़ नहीं लगाने पड़ेंगे। हमारी भूमि भी हरी भरी रहेगी।

पर्यावरण के संरक्षण के लिए काम कर रहे जानकार बताते हैं कि पौधारोपण के नाम पर आमतौर पर सजावटी और विदेशी पौधे रोप दिए जाते हैं जो कम समय में बड़ा आकार ले लेते हैं लेकिन वे किसी भी दृष्टि से पर्यावरण के लिए लाभकारी नहीं होते। इस बात की निगरानी होनी चाहिए और साथ ही जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए कि काटे गए पेड़ों के स्थान पर ईमानदारी से पौधारोपण कर हरियाली को बरकरार रखने की कवायद हो। पेड़ फलदार हों या परम्परागत भारतीय पेड़ लगे। पीपल, वटवृक्ष, नीम, पिलखन, साल, शीशम, जामुन और आम जैसे वृक्ष प्रमुखता से लगाए जाएं।

नये समीकरणों में केजरीवाल

–राजेश कुमार पासी–

अन्ना आंदोलन के दौरान केजरीवाल ने कैग की रिपोर्ट का हवाला देकर ही कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे । केजरीवाल कहते थे कि वो जब सत्ता में आएंगे तो इस रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही करेंगे । इस रिपोर्ट को आधार बनाकर ही अन्ना आंदोलन के दौरान लोकपाल कानून बनाने की मांग की जा रही थी। कैसी विडम्बना है कि दिल्ली में अपनी सरकार की कैग रिपोर्ट को केजरीवाल सरकार दबाकर बैठी हुई थी। दिल्ली में सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा की राज्य सरकार ने अपने पहले ही विधानसभा अधिवेशन में यह रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। वैसे भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान किया गया अपना वादा पूरा किया है। केजरीवाल चिल्ला–चिल्ला कर बोल रहे थे कि मोदी उनसे डरते हैं इसलिये झूठा केस बनाकर उन्हें जेल में डाल दिया है जबकि सच्चाई यह है कि उन्हें अदालत ने जेल में डाला था और अदालत ने ही जमानत दी थी ।

कैग की रिपोर्ट ने साबित कर दिया है कि केजरीवाल सरकार ने अपने शासन में पूरी मनमानी करते हुए जनता के पैसों का दुरुपयोग किया है और इसके अलावा जबरदस्त तरीके से जनता के पैसे की चोरी की है। सवाल यह पैदा होता है कि केजरीवाल ऐसी हिम्मत कहाँ से लाये जो वो सरेआम देश की जनता को धोखा देते रहे और साथ–साथ कट्टर ईमानदार होने का ढिंढोरा भी पीटते रहे । कमाल की बात तो यह है कि वो न केवल खुद को कट्टर ईमानदार घोषित करते रहे बल्कि अपने साथियों को भी कट्टर ईमानदार और कट्टर देशभक्त होने का सर्टिफिकेट बांटते रहे । उन्होंने कई बात यह मांग की कि दिल्ली के शिक्षा मॉडल के लिए मनीष सिसोदिया को और दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए सत्येंद्र जैन को राष्ट्रीय पुरस्कार दिया जाना चाहिए । उनका बस चलता तो वो खुद को भारत रत्न दे देते लेकिन वो उनके हाथ में नहीं था । केजरीवाल अपने नेताओं को राजा हरिश्चंद्र से ज्यादा ईमानदार और शहीद भगत सिंह से ज्यादा बड़ा देशभक्त बताते थे । आज दिल्ली सरकार द्वारा पेश की गई रिपोर्ट से पता चलता है कि जिस दिल्ली मॉडल का ढिंढोरा वो पूरी दुनिया में पीट रहे थे, वो कितना खोखला है ।

वास्तव में केजरीवाल अपने झूठ की फैक्ट्री इसलिए चलाते रहे क्योंकि उन्होंने दिल्ली सरकार के विज्ञापनों के माध्यम से करोड़ो रुपये मीडिया पर लुटा दिए थे। विज्ञापनों से होने वाली कमाई बंद होने के डर से देश का मीडिया उनके खिलाफ खबरें नहीं दिखाता था लेकिन इसके बावजूद वो मीडिया में अपने खबरें रोक नहीं पाये । केजरीवाल सोचते थे कि वो कुछ भी करें लेकिन देश का मीडिया जब उनकी खबरें नहीं दिखायेगा तो जनता को उनके घोटालों का पता नहीं चलेगा । जो पार्टी पारदर्शिता की दुहाई देती थी, उसकी सरकार ने सीएजी की रिपोर्ट को दबाकर रखा ताकि जनता तक उसकी सच्चाई नहीं पहुंच सके । संविधान की बात करने वाली पार्टी कैग जैसी संवैधानिक संस्था से बचती रही । केजरीवाल राजनीति को बदलने आये थे और उन्होंने राजनीति को ऐसे बदला कि वो खुद को दिल्ली का मालिक मानने लगे । वो भूल गये कि लोकतंत्र में सिर्फ जनता मालिक होती है, इसलिए 2025 के चुनाव में जनता ने उनकी सही जगह उन्हें दिखा दी है । खुद को दिल्ली का मालिक समझने वाले केजरीवाल सोचते थे कि वो कुछ भी कर सकते हैं जबकि दिल्ली तो पूरा राज्य भी नहीं है । हमारे संविधान में ऐसी कई व्यवस्थाएं हैं जिनके कारण कोई भी सरकार पूर्ण रूप से मनमानी नहीं कर सकती लेकिन केजरीवाल ऐसा करने की कोशिश करते रहे ।

2024 के लोकसभा चुनाव में केजरीवाल ने जनता से कहा कि अगर वो उन्हें दिल्ली की लोकसभा की सभी सात सीटों पर जीत दिला देती है तो उन्हें जेल नहीं जाना पड़ेगा लेकिन दिल्ली की जनता ने उन्हें एक भी सीट नहीं दी । इससे स्पष्ट हो जाता है कि दिल्ली की जनता ने तो उन्हें 2024 में ही जेल जाने के लिए छोड़ दिया था । सीएजी की रिपोर्ट पेश करने पर आम आदमी पार्टी ने विधानसभा में जबरदस्त हंगामा किया है जिसके कारण स्पीकर को इस पार्टी के 21 विधायकों को सदन से निलंबित करना पड़ा है । मतलब साफ है कि आम आदमी पार्टी अभी भी इस रिपोर्ट को देश के सामने नहीं आने देना चाहती है ।

सीएजी रिपोर्ट में कुछ ऐसी बातें हैं कि अगर सरकार उनके खिलाफ कार्यवाही करती है तो उन्हें लंबी अवधि के लिए जेल जाना पड़ सकता है । शराब नीति के कारण दिल्ली सरकार को 2000 करोड़ रुपये के राजस्व की हानि हुई है क्योंकि सरकार ने इस नीति में जबरदस्त तरीके से मनमानियां की हैं । शराब नीति बनाने से पहले विशेषज्ञों की सलाह ली गई लेकिन उन्हें माना नहीं गया । जिन कंपनियों की शिकायत थी और घाटे में चल रही थी, उन्हें लाइसेंस दे दिये गये । कई बड़े फैसलों पर कैबिनेट और एलजी की मंजूरी नहीं ली गई और शराब नीति के नियमों को विधानसभा में पेश नहीं किया गया । कोविड के नाम पर बिना किसी जरूरत के 144 करोड़ रुपये की लाइसेंस फीस माफ कर दी गई । जहां शराब की दुकानें खोलने की अनुमति नहीं थी, वहां भी दुकानें खोल दी गई ।

जिस मोहल्ला क्लीनिक की सफलता का केजरीवाल पूरी दुनिया में ढिंढोरा पीट रहे थे, उसकी सच्चाई भी कैग रिपोर्ट ने देश के सामने रख दी है । रिपोर्ट कहती है कि 218 में से 41 मोहल्ला क्लिनिक स्टाफ की कमी के कारण 15 से 23 दिन तक बंद रहते थे । 2017 तक 1000 मोहल्ला क्लीनिक खोलने का दावा करने वाली सरकार ने 31 मार्च 2023 तक सिर्फ 523 मोहल्ला क्लीनिक ही खोले थे । कैग रिपोर्ट कहती है कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ मोहल्ला क्लीनिकों में बुनियादी चिकित्सा उपकरणों जैसे बीपी मॉनिटरिंग,पल्स ऑक्सीमीटर, ग्लूकोमीटर, थर्मामीटर, एक्सरे व्यूवर आदि की कमी पाई गई । 74 मोहल्ला क्लीनिकों में आवश्यक दवाएं भी नहीं थी । अक्टूबर, 2022 से मार्च 2023 की अवधि के दौरान मोहल्ला क्लीनिक में आने वाले 70 प्रतिशत मरीजों को देखने में एक मिनट से भी कम समय लगा । आप स्वयं विचार कीजिए कि एक डॉक्टर कैसे एक मरीज को एक मिनट से भी कम समय में देखकर दवा लिख सकता है । इसका मतलब साफ है कि मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर जनता को मूर्ख बनाया गया है । बिना थर्मामीटर के मरीज का बुखार कैसे चेक किया गया होगा । अजीब बात है कि जिन मोहल्ला क्लीनिकों में आवश्यक सुविधाएं तक नहीं थी, उनका पूरी दुनिया में प्रचार किया गया ।

लेदर उद्योग में भविष्य

–नरेन्द्र कुमार–

लेदर उद्योग में कैरियर बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर शैक्षणिक योग्यता की जरूरत होती है। आपकी रुचि के मुताबिक डिजाइन, उत्पादन, तकनीकी प्रबंधन और मार्केटिंग के क्षेत्र में अवसर उपलब्ध होते हैं। इसके लिए कुछ डिग्रियां कारगर हैं जैसे, बी.टेकध्बीई इन लेदर टेक्नोलॉजी, बीएससी इन लेदर साइंस, बैचलर ऑफ लेदर डिजाइन, बैचलर ऑफ वोकेशनल (फुटवियर एंड लेदर गुड्स), एमटेक इन लेदर टेक्नोलॉजी, मास्टर ऑफ डिजाइन (लेदर डिजाइन) , एमबीए (लेदर बिजनेस मैनेजमेंट), डिप्लोमा इन लेदर गुड्स एंड फुटवियर टेक्नोलॉजी, एडवांस डिप्लोमा इन लेदर डिजाइन इन मैन्यूफैक्चरिंग और सर्टिफिकेट कोर्स इन लेदर प्रोसेसिंग।

बीते दिनों देश में लेदर इंडस्ट्री की उत्पादकता और गुणवत्ता में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए 'फोकस उत्पाद स्कीम' की घोषणा की गयी है, जिसका उद्देश्य अगले कुछ सालों में लेदर इंडस्ट्री में 22 लाख लोगों को रोजगार देने का संकल्प है। इस योजना के तहत लेदर फुटवियर और विभिन्न उत्पादों के साथ साथ गैर लेदर उच्च गुणवत्ता वाले फुटवियर के उत्पादन के लिए डिजाइन क्षमता, घटक विनिर्माण और मशीनरी में सहायता प्रदान की जायेगी। इस क्षेत्र में सरकार ने 4 लाख करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान लगाया है। जिससे 1.1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्माण संभव होगा। सवाल है कि इस लेदर फोकस इंडस्ट्री स्कीम का फायदा उठाने के लिए क्या करें? तो इसके लिए जानिये लेदर इंडस्ट्री में कैरियर बनाने के लिए कौन–कौन सी आवश्यक शैक्षिक डिग्रियां होती हैं, कौन से ऐसे प्रमुख संस्थान हैं जहां नौकरी की संभावनाएं हैं और संभावित सैलरी आदि कितनी है।

लेदर उद्योग में कैरियर बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर शैक्षणिक योग्यता की जरूरत होती है। आपकी रुचि के मुताबिक डिजाइन, उत्पादन, तकनीकी प्रबंधन और मार्केटिंग के क्षेत्र में अवसर उपलब्ध होते हैं। इसके लिए कुछ डिग्रियां कारगर हैं जैसे, बी.टेकध्बीई इन लेदर टेक्नोलॉजी, बीएससी इन लेदर साइंस, बैचलर ऑफ लेदर डिजाइन, बैचलर ऑफ वोकेशनल (फुटवियर एंड लेदर गुड्स), एमटेक इन लेदर टेक्नोलॉजी, मास्टर ऑफ डिजाइन (लेदर डिजाइन) , एमबीए (लेदर बिजनेस मैनेजमेंट), डिप्लोमा इन लेदर गुड्स एंड फुटवियर टेक्नोलॉजी, एडवांस डिप्लोमा इन लेदर डिजाइन इन मैन्यूफैक्चरिंग और सर्टिफिकेट कोर्स इन लेदर प्रोसेसिंग।

देश में कई ऐसे प्रतिष्ठित संस्थान हैं जो टेक्नोलॉजी इन लेदर और संबंधित क्षेत्रों में डिग्री व सर्टिफिकेट प्रदान करते हैं–मसलन, फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट रू ये नोएडा, चेन्नई, कोलकाता और रोहतक में स्थित हैं। ये संस्थान बी. डिजाइन, एम. डिजाइन और एमबीए (लेदर एंड फुटवियर डिजाइन) में डिग्री प्रदान करता है। सेंट्रल लेदर रिसर्च इंस्टीट्यूट रू चेन्नई स्थित यह इंस्टीट्यूट लेदर इंडस्ट्री में शानदार जॉब पाने के लिए बीटेक, एमटेक और पीएचडी (लेदर टेक्नोलॉजी) महत्वपूर्ण डिग्रियां प्रदान करता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी– दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद स्थित यह संस्थान बी.डिजाइन और एम.डिजाइन (लेदर डिजाइन) जैसी डिग्रियां प्रदान करता है।

गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड लेदर टेक्नोलॉजी रू कोलकाता स्थित यह संस्थान लेदर टेक्नोलॉजी में बी.टेक की डिग्री प्रदान करता है। कानपुर यूनिवर्सिटी रू उत्तर प्रदेश के कानपुर में स्थित यह विश्वविद्यालय लेदर टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा प्रदान करता है। लेदर इंडस्ट्री में अलग–अलग अनुभव और विशेषज्ञता के स्तर पर अलग–अलग सैलरी पैकेज मिलते हैं। मसलन– एक लेदर टेक्नोलॉजिस्ट को शुरुआती वेतन 4 से 6 लाख रुपये सालाना मिलता है, जबकि कुछ वर्षों के अनुभव के बाद उसे 10 से 15 लाख रुपये का सालाना पैकेज मिल सकता है। फुटवियर डिजाइनर को प्रारंभ में 5 से 8 लाख रुपये सालाना, कुछ सालों के अनुभव के बाद 12 से 18 लाख रुपये महीने का पैकेज मिलता है।क्वालिटी कंट्रोल स्पेशलिस्ट को शुरू में 4 से 7 लाख रुपये और 5 साल के अनुभव के बाद आसानी से 8 से 12 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिलता है। प्रोडेक्शन मैनेजर को प्रारंभिक सैलरी 6 से 9 लाख रुपये सालाना और कुछ सालों के अनुभव के बाद 15 से 20 लाख रुपये सालाना मिलते हैं। लेदर गुड्स एक्सपोर्ट मैनेजर को 7 से 10 लाख रुपये शुरु में और कुछ सालों के अनुभव के बाद 15 से 18 लाख रुपये सालाना मिलते हैं।

भारत में बड़े पैमाने पर लेदर डिजाइन निर्माण और निर्यात के क्षेत्र में ये महत्वपूर्ण कंपनियां हैं, जहां आप नौकरी पा सकते हैं। यहां बाटा इंडिया लिमिटेड फुटवियर उत्पादन और रिटेल क्षेत्र में, एडिडास, प्यूमा और नाइकी(इंडिया) हाई एंड लेदर स्पोर्ट्स शूज में, लिबर्टी शूज लिमिटेड लेदर फुटवियर डिजाइन एंड मैन्यूफैक्चरिंग में, टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड लेदर मैन्यूफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट में , रिलेक्सो फुटवियर लिमिटेड फुटवियर और लेदर प्रोडक्ट में व हाई डिजाइन प्रीमियम लेदर बैग्स और एक्सेसरीज के कार्यक्षेत्र में जॉब संभावनाओं वाली कंपनियां हैं।

प्रोडक्ट और गुणवत्ता नियंत्रण, लेदर टेक्नोलॉजी रू लेदर प्रोसेसिंग और केमिकल एप्लीकेशन, एक्सपोर्ट एंड मार्केटिंगरू अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लेदर गुड्स का निर्यात, रिसर्च एंड डेवलपमेंटरू नई तकनीक और पर्यावरणध्संवेदनशील लेदर उत्पाद। इस तरह लेदर इंडस्ट्री में फोकस करें तो बहुत सारे आकर्षक सैलरी और सुरक्षित भविष्य के कैरियर मौजूद हैं। –इ.रि.सें.

खेत की रखवाली करने जा रहे युवक की हत्या

संवाददाता–गोण्डा। ग्राम पिपरी सागर महादेव में एक युवक की हत्या हो गई। जहां कल शाम को गेहूं के खेत की रखवाली करने जा रहे 22 वर्षीय पवन तिवारी उर्फ मनोज तिवारी पर गांव के ही कुछ दबंगों ने जानलेवा हमला कर दिया। घटना गांव के पास स्थित पोखरा के निकट हुई। आरोपी भोला, आदित्य, संतोष, संजय और देवी प्रसाद ने युवक पर लाठी–डंडों और धारदार हथियारों से हमला किया। युवक के चीख–पुकार की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग बचाने दौड़े। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल पवन को पहले गोंडा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। रास्ते में ही युवक ने दम तोड़ दिया।

सूचना पाकर सीओ आनंद कुमार राय और कोतवाल देहात पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मृतक के पिता विजय कुमार तिवारी की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। देहात कोतवाल संजय कुमार सिंह के अनुसार, पुलिस के उच्च अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है और मामले की जांच की जा रही है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर केएमसी यूनिट शुरू

संवाददाता–गोण्डा। नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल के लिए बड़ी पहल की गई है। जिले के 9 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर कंगारू मदर केयर यूनिट की शुरुआत हो चुकी है। 7 अन्य केंद्रों पर निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। यह यूनिट विशेष रूप से कमजोर और समय से पहले जन्मे नवजातों के लिए है। यहां मां और शिशु को एक ही स्थान पर सभी जरूरी सुविधाएं मिलेंगी। इससे नवजात मृत्यु दर कम होगी और स्तनपान को बढ़ावा मिलेगा। खरगूपुर, कर्नलगंज, वजीरगंज, मनकापुर, इटियाथोक, छपिया, कटरा बाजार, नवाबगंज और तरबगंज में यह सुविधा शुरू हो चुकी है। परसपुर, हलधरमऊ, बेलसर, मुजेहना, पंडरी कृपाल, बभनजोत और काजीदेवर में काम चल रहा है। जिलाधिकारी नेहा शर्मा के प्रयासों से मदर न्यूबॉर्न केयर यूनिट की स्थापना की गई है। अब डिलीवरी रूम, बीमार नवजातों के लिए एनबीएसयू और केएमसी यूनिट एक साथ होंगे। इससे माताओं को अलग–अलग जगह नहीं जाना पड़ेगा। केएमसी यूनिट में त्वचा से त्वचा के संपर्क से नवजातों को ऊष्मा, पोषण और सुरक्षा मिलेगी। पहले कमजोर नवजातों को सिर्फ एनबीएसयू में भर्ती किया जाता था। अब माताएं अपने शिशु की देखभाल में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगी।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में भाषण प्रतियोगिता, छात्रा ने जीता पहला स्थान

संवाददाता–बलरामपुर। सिद्धार्थनगर में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर अंतरमहाविद्यालयीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में एमएलके पीजी कॉलेज बलरामपुर की छात्रा शिखा पांडेय ने भाषण प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया।

प्राचार्य प्रो. जेपी पांडेय के अनुसार, इस प्रतियोगिता में बस्ती, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, संतकबीरनगर, बलरामपुर और श्रावस्ती जिलों के कई महाविद्यालयों के छात्रों ने हिस्सा लिया। विकसित भारत की संकल्पना विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में शिखा पांडेय ने शानदार प्रदर्शन किया।

महाविद्यालय को एक और सफलता मिली। द्रोपदी का वस्त्रहरण नाटक में कृति उपाध्याय की टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। टीम का नेतृत्व लेफ्टिनेंट डॉ. देवेंद्र कुमार चौहान और डॉ. स्वदेश भट्ट ने किया।

एमएलके पीजी कॉलेज की टीम अब 4 मार्च को गोरखपुर विश्वविद्यालय में होने वाली अंतरविश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगी।

अंतिम संस्कार में आया शख्स राप्ती नदी में डूबा

संवाददाता–महराजगंज। धानी स्थित राप्ती नदी के तट पर अपने मौसा के अंतिम संस्कार में आया एक शख्स नहाते समय पैर फिसलने से नदी में डूब गया। इस हादसे के बाद कोहराम मच गया। धानी चौकी पुलिस ने एसडीआरएफ को जानकारी देकर गोताखोरों की मदद से डूबे शख्स की तलाश शुरू कराई। वहीं मौके पर परिजन पहुंच गए। हर ओर चीख–पुकार मची थी। पुरंदरपुर के टोला परगापुर निवासी मातिवर (80) का निधन होने के बाद लोग उनके शव को अंतिम संस्कार के लिए धानी स्थित राप्ती नदी के तट पर लाए। अंतिम संस्कार के बाद लोग नदी में नहा रहे थे। नहाते समय पुरंदरपुर टोला सोमनजोत निवासी रामवेलास (52) पुत्र विश्वनाथ का पैर अचानक फिसल गया। पैर फिसलने से वह नदी के गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। जब तक लोग उसे बचाने की कोशिश करते, तब तक वह गहरे पानी में डूब गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। आसपास के गोताखोरों की मदद से डूबे शख्स की नदी में तलाश शुरू कराई गई, लेकिन देर शाम तक उसका पता नहीं चल सका था।

अंतिम संस्कार में डूबे रामवेलास के पिता विश्वनाथ का सोलहवां दो दिन बाद ही है। इसी बीच वह अपने मौसा के अंतिम सस्कार में आया और नहाने के लिए राप्ती नदी में जैसे ही उतरा कि पैर फिसलने से डूब गया। इस हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया है।

देवीपाटन मंडल के पहले केंद्र ने 75 कुंतल कचरे का किया निस्तारण

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा में स्थापित देवीपाटन मंडल का पहला प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है। केंद्र ने अब तक 75 कुंतल प्लास्टिक कचरे का निस्तारण कर दिया है। इस कचरे में सिंगल यूज प्लास्टिक और प्लास्टिक की बोतलें शामिल हैं। पीडब्ल्यूडी, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग और जिला पंचायत इस निस्तारित प्लास्टिक का उपयोग सड़क निर्माण में करेंगे। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत स्थापित यह केंद्र 4R सिद्धांत पर काम करता है। इसमें रिफ्यूज, रिड्यूस, रियूज और रिसाइकल शामिल हैं।केंद्र रिसाइकिल योग्य प्लास्टिक को स्क्रैप डीलरों के माध्यम से पुनः उपयोग में लाता है। गैर–रीसाइक्लेबल प्लास्टिक को विखंडित कर सड़क निर्माण और सीमेंट उद्योगों में इस्तेमाल किया जाता है। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने इस पहल की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन का बेहतरीन उदाहरण है।

उन्होंने सभी से प्लास्टिक कचरे के सही निस्तारण में सहयोग की अपील की है। यह केंद्र स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा कर रहा है। जिला प्रशासन ने लोगों से प्लास्टिक कचरे को सही तरीके से डिस्पोज करने की अपील की है। इस पहल से जिले में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता अभियान को मजबूती मिल रही है।

दलितों पर अत्याचार के विरोध में भीम आर्मी का प्रदर्शन कलेक्ट्रेट पर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा

संवाददाता–बलरामपुर। भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने दलितों पर बढ़ते अत्याचार के विरोध में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वर्तमान भाजपा सरकार में अनुसूचित जाति, जनजाति और अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। मथुरा में पिछले 15 दिनों में तीन बड़ी घटनाएं हुईं। सिर्रेला गांव में पिछड़े वर्ग के एक युवक की हत्या कर दी गई।

करनावल गांव में दलित परिवार की बेटियों की शादी में बाराती और घरवालों पर हमला किया गया। शादी नहीं होने से दोनों दुल्हनें और परिवार आज भी दुखी हैं। भगत सिंह नगलिया में चंद्रपाल के परिवार पर फायरिंग

की गई, जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए। मेरठ के कालिंदी गांव में एक बारात पर हमला कर बारातियों को पीटा गया। दुल्हन के जेवर और सामान लूट लिए गए। इन घटनाओं से उत्तर प्रदेश के गरीब और कमजोर वर्ग में दहशत का माहौल है।

28 फरवरी को भीम आर्मी चीफ और आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद घटनास्थलों का दौरा करने गए थे।घटना स्थल थाना सुरौर के पास पहुँचने से पहले ही सांसद के साथ चल रही कार्यकर्ताओं के काफिले पर विरोधियों ने सुनियोजित तरीके से पुलिस की मौजूदगी में हमला बोल दिया।

पुलिस के अधिकारी कुछ सुरक्षा व्यवस्था नहीं कर पाये, इतना ही नहीं पीड़ितों से मिलने के बाद लौटते समय भी पुनः हमलावरों ने पुलिस की मौजूदगी में ही हमला बोला। इन हमलों से हमारे साथ चल रही गाड़ियों को तोड़ा गया हमारे कई कार्यकर्ता गम्भीर रूप से घायल भी हुए हैं।भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

संशोधन बिल जनता को न्याय से वंचित करेगा –अधिवक्ता

संवाददाता–महराजगंज। सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन में सोमवार को अधिवक्ता अधिनियम संशोधन विधेयक–2025 के विरोध में आमसभा की बैठक हुई। अधिवक्ताओं ने कहा कि इसका वादकारियों व पीड़ितों पर दुष्परिणाम पड़ेगा। अध्यक्ष करुणाकर पति त्रिपाठी व महामंत्री अनूप सिंह के नेतृत्व में हुई बैठक में अधिवक्ताओं ने कहा कि सरकार न्यायपालिका की निष्पक्षता व स्वतंत्रता को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। अध्यक्ष करुणाकर पति त्रिपाठी ने कहा कि अधिवक्ता काफी समय से एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट की मांग कर रहे थे। परंतु सरकार अधिवक्ता अधिनियम संशोधन विधेयक 2025 के माध्यम से न्याय व न्यायपालिका के मूल भावना के विरुद्ध काम करने लगी है। महामंत्री अनूप सिंह ने कहा कि इस संशोधन विधेयक के माध्यम से सरकार जनता को न्याय पाने में बाधक बन रही है।

अधिवक्ता अधिनियम संशोधन विधेयक 2025 वादकारियों व पीड़ितों के हित में तत्काल वापस होना चाहिए तथा एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट को लागू करना चाहिए। बैठक में उपाध्यक्ष रविशंकर त्रिपाठी, गिरिजेश मिश्रा, संयुक्त मंत्री उमेश तिवारी, आफताब अंसारी, अजय चौधरी सहित, कोषाध्यक्ष अजय वर्मा, पूर्व अध्यक्ष इंद्रासन सिंह, जितेंद्र सिंह, सुशील श्रीवास्तव, पूर्व महामंत्री दिनेश गुप्ता, सत्य प्रकाश सिंह, राम राज चौधरी, प्रद्युम्न पटेल, अभिजीत सिंह, राम किशोर पटेल, कौशल किशोर पाण्डेय, फैजान, वशिष्ठ मिश्रा, संतोष पटेल, आलोक मिश्रा, रमाशंकर कन्नौजिया, अरुण सिंह, प्रमोद त्रिपाठी, मंजेश पटेल, वसीम अकरम, धनंजय पटेल, अवनीश पटेल, रंजीत गुप्ता, देवेन्द्र निगम, ब्रजभूषण तिवारी सज्जन, कैलाश अग्निहोत्री, राजेश्वर तिवारी, प्रदीप पासवान, राकेश पटेल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर, युवक की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। रविवार देर रात सिरसिया तुलसीपुर मार्ग पर डगमरा नाले के निकट तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। घटना में बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई। जबकि ट्रक में फंस कर बाइक करीब 50 मीटर तक घिसटती रही। मौके पर पहुंची सिरसिया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

भिनगा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम दत्तनगर निवासी वीरेंद्र कुमार सरोज (30) रविवार को बलरामपुर के तुलसीपुर में बरात में शामिल होने बाइक से जा रहा था। जैसे ही वीरेंद्र सिरसिया थाना क्षेत्र के डगमरा नाला पुल के निकट पहुंचा। तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे वीरेंद्र मार्ग पर गिर गया। जिसे ट्रक रौंदते हुए आगे निकल गया। इस दौरान बाइक ट्रक में ही फंस कर करीब 50 मीटर तक घिसटती रही। घटना के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से भागने में सफल रहा। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। क्षत विक्षत शव को एकत्र कर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेजा। मृतक के पिता त्रिवेणी प्रसाद सरोज की तहरीर पर सिरसिया पुलिस ने अज्ञात चालक के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है।

होंठ और तालु के मरीजों के लिए मेडिकल कैंप, 90 बच्चों का पंजीकरण, 60 को किया गया लखनऊ रेफर

संवाददाता–बलरामपुर। बलरामपुर संयुक्त जिला चिकित्सालय में सोमवार को एक विशेष मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस्माइल ट्रेन संस्थान और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत आयोजित इस कैंप में होंठ और तालु की समस्याओं से पीड़ित बच्चों का पंजीकरण हुआ।

कैंप में कुल 90 बच्चों का पंजीकरण किया गया। इनमें से 60 बच्चों को कटे–फटे होंठ और तालु के इलाज के लिए लखनऊ रेफर किया गया है। लखनऊ में इन बच्चों के इलाज, रहने और खाने की व्यवस्था निःशुल्क की जाएगी। शेष बच्चों को भी जल्द ही लखनऊ भेजा जाएगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। साथ ही गरीब बच्चों के चेहरों पर नई मुस्कान लाना है।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम के तहत 42 प्रकार की जन्मजात बीमारियों का निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। इनमें कटे होंठ व तालू, दिल का छेद, कम सुनना, अस्थि रोग और पैर का घुमा होना जैसी समस्याएं शामिल हैं। कैंप में डॉ. मोसिन सिद्दीकी, डॉ. अरिफ, डॉ. हीरा लाल समेत कई चिकित्सक मौजूद रहे। अधिक जानकारी के लिए 9984550786 और 9235435014 पर संपर्क किया जा सकता है।

युवक की पेड़ से लटका मिला शव

संवाददाता–देवरिया। भटनी में एक युवक की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। सल्लहपुर गांव के रहने वाले विपिन कुमार (32) का शव सोमवार तड़के परसौनी गांव के पास एक बगीचे में पेड़ से लटका मिला।

विपिन अपनी ससुराल खुखुंदू में रहते थे। रविवार को वह अपने गांव में एक शादी समारोह में शामिल हुए थे। रात करीब 10 बजे तक समारोह में मौजूद रहे। भोजन के बाद वह ससुराल जाने की बात कहकर निकले। अगली सुबह उनका शव मिला।

शव की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। परिवार के सदस्यों ने हत्या की आशंका जताई है। भटनी थाने के थानाध्यक्ष अश्वनी प्रधान ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

विद्यावती देवी कॉलेज के छात्रों ने जीते 8 स्वर्ण पदक, राज्यपाल ने किया सम्मानित

संवाददाता–कुशीनगर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हीरक जयंती समारोह में सोमवार को एक विशेष पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दीक्षा भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया।

विद्यावती देवी महाविद्यालय, वैष्णवी नगर के छात्रों ने कई प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समूह नृत्य में नीता तिवारी, अनुष्का मिश्रा, जुबैदा अंसारी, अमृता गौतम, चंदन चौहान, नवीन कुमार, नितेश गुप्ता और दिलशाद अंसारी की टीम ने स्वर्ण पदक जीता।

समूह गायन में हरिलाल कुशवाहा, राममिलन यादव, सोनू अली, अंकित मदेशिया और नीतेश गुप्ता की टीम ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। खेलकूद में भी महाविद्यालय के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। 400 मीटर दौड़ में बिट्टू गुप्ता और आँचल यादव ने अपने–अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीते।

भाषण प्रतियोगिता में दुर्गेश आनंद यादव ने स्वर्ण पदक हासिल किया। बैडमिंटन में अनूप गुप्ता और मोहम्मद कैफ की जोड़ी ने रजत पदक जीता। 200 मीटर दौड़ में संदीप कुमार ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. पूनम टंडन और कार्यक्रम प्रभारी डॉ. दिव्या रानी भी उपस्थित थीं। राज्यपाल ने छात्रों को खेल के साथ–साथ पढ़ाई पर भी ध्यान देने की सलाह दी। महाविद्यालय के प्रबंधक बबलू राय और प्राचार्य डॉ. अभय कुमार राय सहित अन्य शिक्षकों ने विजेता छात्रों को बधाई दी।

श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के अग्रदूत थे पुरूषोत्तमाचार्य महराज –विश्वेश प्रपन्नाचार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। ऐतिहासिक सुग्रीवकिला आश्रम में भगवान राजराजेश्वर सरकार के ब्रहमोत्सव व श्रीमज्जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी पुरूषोत्तमाचार्य महराज का छठवीं वैकुंठोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्रीमद जगद्गुरु महाराज जी के बैकुंठ उत्सव पर 3 मार्च सोमवार को श्रद्धांजलि सभा के साथ वृहद भंडारे का आयोजन किया गया।सुग्रीवकिला के वर्तमान पीठाधीश्वर श्रीमज्जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी विश्वेश प्रपन्नाचार्य महाराज ने बताया कि मंदिर में स्थापित राजराजेश्वर भगवान का ब्रहमोत्सव और गुरूदेव स्वामी पुरूषोत्तमाचार्य महाराज का छठवां वैकुंठोत्सव श्रद्धा व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।सैंकडों वेदपाठी विद्वानों द्वारा विष्णु सहस्त्रनाम का परायण किया गया। स्वामी विश्वेश प्रपन्नाचार्य महाराज ने कहा कि गुरूदेव स्वामी पुरूषोत्तमाचार्य महाराज रामजन्मभूमि आंदोलन के अग्रणी पंक्ति के योद्धाओं में से एक थे। उन्होंने रामंदिर के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। जीवन के अंतिम दिनों तक रामजन्मभूमि मुक्ति आंदोलन में लगे रहे। वह हम लोगों के बीच में नही हैं। लेकिन आज उनका सपना साकार हो रहा है। श्रीरामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर का कार्य प्रारम्भ हो गया है। जल्द ही हमारे रामलला दिव्य भवन में विराजमान होंगे।

श्रीमद जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज छठवें बैकुंठ उत्सव आए हुए संतो महंतों का स्वागत अधिकारी स्वामी अनंत पद्मनाभाचार्य जी महाराज ने किया और बताया कि श्री महाराज जी का छठवां बैकुंठ उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें अयोध्या के सभी संतो महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बताया कि भगवान श्री राम लला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं और सुग्रीव किला मंदिर आंदोलन की पृष्ठभूमि रही है यहीं से आंदोलन प्रारंभ हुआ और आज भव्य मंदिर में रामलला विराजमान हो गए हैं और श्री सुग्रीव किला भगवान के मंदिर के ठीक सामने विराजमान हैं पौराणिक स्थल है लेकिन बंदिशें अधिक है फिर भी श्री महाराज जी की पुण्यतिथि बड़े ही उत्साह पूर्वक बनाई गई। जिसमें सैकड़ो की संख्या में संत महंत वेदपाठी विद्वान उपस्थित रहे।

श्री जानकी जीवन सरकार का 17 वां प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्रसिद्ध पीठ आदि रामानंदाचार्य की प्राचीन पीठ श्री दर्शन भवन में 17 वर्ष पूर्व ठाकुर श्री जानकी जीवन सरकार प्रभु सीताराम की प्राण प्रतिष्ठा 17 वर्ष पूर्व की गई थी आज से दो दिवसीय 17 वीं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ होगा जिसकी स्थापना राम मंदिर आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले धर्म प्रचारक लोकसभा सांसद रहे महंत विश्वनाथ दास शास्त्री ने की थी। श्री महाराज जी सरल संत एवं मर्मज्ञ कथाव्यास के रूप में याद किया जाता है।

जन्मकल्याणक महोत्सव पर जैन मंदिर से निकल गई अब शोभायात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। दिगंबर जैन मंदिर की शीर्ष पीठ रायगंज स्थित भगवान ऋषभदेव मंदिर में सोमवार को धूमधाम से जन्मकल्याणक महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण से गाजे–बाजे, घोड़े और रथ संग विशाल ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें जन्म की खुशियों के साथ पूरे अयोध्या संपूर्ण गृहबंधन छोड़कर दीक्षा का परिदृश्य देखने को मिला। यह शोभायात्रा अयोध्या धाम के मुख्य मार्गों से होते पुनः अपने गंतव्य भगवान ऋषभदेव मंदिर रायगंज वापस लौटी। जहां अन्य धार्मिक कार्यक्रम व अनुष्ठान संपन्न हुआ। शोभायात्रा यात्रा को जैन धर्म की सर्वोच्च साध्वी गणिनीप्रमुख ज्ञानमती माता ने अपनी सानिध्यता प्रदान किया। उन्होंने कहा कि जहां पूरे देश और दुनिया में अयोध्या को भगवान राम की नगरी से जाना जा रहा है। वहीं भारत देश की प्राचीनतम संस्कृति में यह अयोध्या नगरी प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव आदि पांच भगवन्तों की भी जन्मभूमि है। रायगंज स्थित भगवान ऋषभदेव दिगम्बर जैन मंदिर, बड़ी मूर्ति का परिसर 6 एकड़ विशाल प्रांगण में अपनी अद्वितीय आभा बिखेरता हुआ जैनधर्म की प्राचीनता और इसके इतिहास को जगजाहिर कर रहा है। यहां 31 फुट विशाल भगवान ऋषभदेव की प्रतिमा होने से इस तीर्थ को बड़ी मूर्ति के नाम से जन–जन में पहचाना जाता है। यहां के विशाल जिनमंदिरों के गगनचुंबी शिखर और श्वेत आभा से आने वाले हर भक्त, पर्यटकों का मन भक्ति गंगा में डूबता है। भक्तों को जैनधर्म का स्वरूप भी जानने को प्राप्त होता है।

जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष व पीठाधीश स्वस्तिश्री

रवीन्द्रकीर्ति स्वामी ने बताया कि तीन लोक रचना में सिद्ध भगवंतों की 727 जिन प्रतिमाएं विराजमान होने जा रही हैं। भगवान ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर तक की अन्य 1008 प्रतिमाओं का भी पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव मनाया जा रहा है। पंचकल्याणक महोत्सव में देश के लगभग सभी प्रान्तों से बड़ी संख्या में भक्तजन सम्मिलित हुए हैं। अयोध्या में एक साथ 1800 प्रतिमाओं के गर्भकल्याणक, जन्मकल्याणक, दीक्षाकल्याणक, केवल ज्ञानकल्याणक और मोक्षकल्याण मनाया जा रहा है। इन 1800 प्रतिमाओं को मंत्रोच्चार एवं पूर्ण विधिविधान के साथ 6 मार्च भगवान का स्वरूप प्राप्त होगा। अयोध्या के इतिहास का यह एक उत्कर्ष काल है, जब एक साथ जैन तीर्थंकर एवं सिद्ध भगवन्तों की 1800 प्रतिमाएं पूजनीय बनकर प्रतिष्ठापित की जायेंगी। इससे पहले जन्मकल्याणक महोत्सव मनाया गया, जिसमें विशाल ऐतिहासिक जन्म की खुशियां शोभायात्रा के साथ पूरे अयोध्या सम्पूर्ण गृहबंधन छोड़कर दीक्षा का परिदृश्य देखने को मिला। बुधवार को भगवानयों को ज्ञान प्राप्त करने वाले दिव्य आत्माओं के समान भगवान को केवलज्ञान की प्राप्ति होगी। गुरुवार को तीनोंलोकों का ममुद्रा के साथ समस्त आठों कर्मों का नाश करते हुए भगवान अपनी आत्मा को शरीर से पृथक् करते हुए सदैव के लिए अजर–अमर बनकर भगवत्ता का स्वरूप प्राप्त करेंगे और मोक्षकल्याणक मनाया जायेगा। मंगलवार को प्रसिद्ध गीतकार एवं संगीतकार रूपेश जैन द्वारा संगीत संध्या का कार्यक्रम है।

साइकिल सवार बुजुर्ग की बस की चपेट में आने से मौत

संवाददाता–देवरिया। जिले के खुखुंदू थाना क्षेत्र के ग्राम तिलौली उर्फ डेहरी के समीप सोमवार की सुबह साइकिल सवार को बस ने रौंद दिया, जिससे मौके पर ही मौत हो गई। बुजुर्ग की मौत के बाद परिवार में मातम छा गया। खुखुंदू थाना क्षेत्र के ग्राम वीरपुर मिश्र के रहने वाले रामबड़ाई चौहान (60) पुत्र राजदेव चौहान भोजन बनाने का कार्य करते थे।

धोबी गांव में एक व्यक्ति के यहां रविवार की रात ब्रह्मभोज था, सोमवार को भी उसके यहां ही यह भोजन बनाने के लिए जा रहे थे, अभी वह देवरिया–सलेमपुर मार्ग पर तिलौली उर्फ डेहरी गांव के समीप पहुंचे थे कि देवरिया की तरफ से जा रही बस ने रौंद दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

सरयू नहर पुल से गिरे युवक का मिला शव

संवाददाता–श्रावस्ती। सोनवा थाना क्षेत्र के दिकौली नहर पुल से एक युवक रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में नहर में गिर गया था। युवक का शव सोमवार को गोताखोरों ने नहर से खोज निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

गिलौला थाना क्षेत्र के ग्राम औंरैया टिकई निवासी सलाहुद्दीन (32) रविवार सुबह घर से पैदल दिकौली मोड़ दुकान आ रहा था। पीछे से उसके पिता कासिम भी दुकान आ रहे थे। थकान के कारण सलाहुद्दीन

सोनवा थाना क्षेत्र के दिकौली नहर पुल की रेलिंग पर बैठ गया था।

इसी बीच संदिग्ध परिस्थितियों में वह नहर में गिर गया था। पुलिस नहर में सलाहुद्दीन की तलाश करा रही थी। सोमवार को स्थानीय गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को नहर से खोज निकाला। बाद में पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है। युवक की मौत के बाद परिवार में कोहराम मच गया है।

आज महिलाओं के लिए बन रही, 20 साल बाद पुरुषों के लिए बनानी पड़ेंगी योजनाएं –आनंदीबेन

संवाददाता–गोरखपुर। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल व राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि आज महिलाओं के लिए योजनाएं बन रही हैं। लेकिन 20 साल बाद पुरुषों के लिए योजनाएं बनानी पड़ेंगी। पुरुषों को सोचना पड़ेगा कि क्यों वे आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। कुलाधिपति सोमवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हीरक जयंती वर्ष पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता कर रही थीं। आनंदीबेन पटेल ने कहा कि मैं 50 साल से महिलाओं के बीच काम कर रही हूं। बहुत सी ऐसी लड़कियां थीं जिन्हें पढ़ने का मौका नहीं मिल पाता था। जब मैं कॉलेज में पढ़ती थी, तब अकेली महिला थी। आज विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में बेटियों की संख्या अधिक और बेटों की संख्या कम है। कई कॉलेजों में बेटियां 80 प्रतिशत तक हैं। आज भी ज्यादातर पुरस्कार बेटियों ने ही जीते हैं। आज महिलाएं हर क्षेत्र में काम कर रही हैं।

आनंदीबेन पटेल ने कहा कि 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है। देश की तीन महिलाएं वर्ल्ड टूर पर निकली हैं। वे 15 देशों का भ्रमण करेंगी। राजभवन में मिलने आईं तो बताया कि वे अलग–अलग देशों में महिलाओं की स्थिति पर स्टडी करती हैं। उन्होंने कई देशों का उदाहरण दिया, जहां महिलाएं केवल किचेन तक सीमित हैं। किचेन के पास बने कमरे में ही उन्हें रहना होता है। अपने देश में महिलाओं की स्थिति बेहतर है। अपने देश में महिलाएं जमीन से लेकर आसमान तक हर जगह दिखाई देती हैं।

कुलाधिपति ने सर्वाइकल कैंसर के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा समाज के सहयोग से करीब 2000 बेटियों का टीकाकरण कराया जाएगा। देश में महिलाओं में सबसे ज्यादा कैंसर उत्तर प्रदेश में है। टीबी में भी उत्तर प्रदेश पहले नंबर पर है। नौ से 14 साल की बेटियों को टीका लगाया जाए तो उन्हें कैंसर नहीं होता। इसे देखते हुए राजभवन से टीकाकरण प्रारंभ किया गया था। धीरे–धीरे यूपी और गुजरात में चलाया गया है। सरकार को इसमें मदद करनी चाहिए लेकिन पता नहीं, क्यों नहीं करती है।

कुलाधिपति ने कहा कि सब काम सरकारें नहीं कर सकतीं। उनकी प्राथमिकता होती है, उसे बढ़ावा देना पड़ता है। समाज को भी आगे आना होगा। मुझे खुशी है कि सर्वाइकल कैंसर के वैक्सीन के लिए समाज आगे आ रहा है। जो लोग इनकम टैक्स भरते हैं, वे अपनी इनकम का कुछ हिस्सा समाज को विभिन्न रूपों में दें।

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने अपने 36 मिनट के संबोधन में कहा कि कहीं भी जाएं महिलाओं, बेटी–माताओं का सम्मान करें, जिससे वृद्धाश्रम कम हों। गाय के भी दूध नहीं देने पर उसे छोड़ देते हैं, यह भी गुनाह है।

कुलाधिपति ने सोमवार को साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साइकिल यात्री चार दिनों में 167 किलोमीटर की यात्रा तय करेंगे। कुलाधिपति ने कहा कि यात्रा में हर चीज को देखते हुए जाएं। लोगों को किस तरह सड़क पर चलना चाहिए, इसके बारे में समझना पड़ेगा। यात्रा का उद्देश्य है कि सभी 25 बच्चे पूरे अनुशासन के साथ चलें। बाइक या स्कूटर पर रील बनाते हैं, इससे दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। उन्होंने सभी को नशा से दूर रहने की अपील की।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण अध्याय है हीरक जयंती। यह गौरवशाली यात्रा का प्रतीक है। अब तक 100 से अधिक कार्यक्रम हीरक जयंती वर्ष पर आयोजित किए गए हैं। आज का कार्यक्रम कुलाधिपति के कारण ही संभव हो पाया। प्रतियोगिताओं की समन्वयक प्रो. दिव्या रानी सिंह ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। संचालन बॉटनी की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ तूलिका मिश्रा व आभार ज्ञापन प्रो. नंदिता सिंह ने किया। मंच पर प्रति कुलपति प्रो. शांतनु रस्तोगी भी मौजूद रहे।

कुल 100 छात्राओं का सर्वाइकल कैंसर का टीकाकरण किया गया। कुलाधिपति ने इसका शुभारंभ किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले कुल 600 विजेताओं को पुरस्कृत किया गया, जिनमें से करीब 200 को कुलाधिपति ने मंच से मेडल व प्रमाणपत्र प्रदान किया।

डीडीयू के मीडिया सेल की पत्रिका 'प्रवाह का भी कुलाधिपति ने विमोचन किया। इस मौके पर गोरखपुर, देवरिया और कुशीनगर की 10–10 आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को उपहार दिया गया। 10 बच्चों को पोषण पोटली प्रदान किया गया।

एक मार्च को दोस्त से मिलने की बात कह कर दिल्ली गया था आतंकी अब्दुल, जमात में शामिल होकर लौटा था अयोध्या

संवाददाता–अयोध्या। आतंकी अब्दुल रहमान मूल रूप से अयोध्या के इनायत नगर कोतवाली क्षेत्र के मंजनाई गांव का रहने वाला है। उसकी मां यास्मीन ने बताया कि अब्दुल का जन्म 28 अगस्त 2005 को हुआ था। उसने मनीराम यादव इंटर कॉलेज, मंजनाई में ही 10वीं तक की पढ़ाई पूरी की। वह पांचों वक्त नमाज पढ़ता था। बचपन में उसके दिल में छेद हो गया था। अहमदाबाद में उसका ऑपरेशन कराया गया था। अब्दुल अपनी तीन बहनों आसमा (15), अल्फिया (12) और अल्फिसा (6) में अकेला भाई है और सबसे बड़ा है।

मां ने बताया कि वह ई–रिक्शा चलाता था। इस बीच घर पर रहकर कुछ न कुछ बनाता रहता था। लेकिन, घरवालों को कुछ नहीं बताता था। बताया गया कि करीब छह महीने पहले वह गांव से अयोध्या शहर पहुंचा। वहां अयोध्या कैंट के पुरानी सब्जी मंडी निवासी मौलाना उस्मान हजरत के संपर्क में आया।

बताया गया कि इसी बीच वह दिल्ली के रास्ते विशाखापट्टनम पहुंचा। वहां उसने जमात का दामन थामा। फिर करीब चार महीने बाद लौटा। इसी बीच वह आतंकी संगठनों के संपर्क में आ गया। मां ने बताया

कि उसने एक मार्च को घर पर कहा कि वह दिल्ली में रहने वाले किसी दोस्त से मिलने जा रहा है। अब उसकी गिरफ्तारी की खबर आई है। मां यास्मीन ने बताया कि अब्दुल के पिता अबु बकर पहले सूरत में रहते थे। अब वह गांव में ही रहकर चिकन शॉप चलाते हैं। अबु बकर के भाई जावेद, उम्मर, उस्मान और साद अभी भी सूरत में रहते हैं। बताया कि पुलिस अब्दुल के पिता अबु बकर को अपने साथ ले गई है। बैंक पासबुक सहित अन्य कुछ कागजात भी ले गई है। उन्होंने बेटे को झूठे केस में फंसाए जाने की भी बात कही। फरीदाबाद के पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि गुजरात एसटीएफ की टीम को एक कथित आतंकी की सूचना मिली थी। टीम उसके मोबाइल की लोकेशन ट्रेस करके गुरुग्राम स्थित एसटीएफ मुख्यालय में संपर्क किया।

इसके बाद एसटीएफ गुजरात और पलवल की संयुक्त टीम फरीदाबाद के पाली क्षेत्र पहुंची। मोबाइल लोकेशन के आधार पर पैदल जा रहे एक संदिग्ध युवक को रोका। उसे पास के खाली प्लॉट में बैठाया और पूछताछ की गई। तलाशी ली तो उसके पास से दो हैंड ग्रेनेड मिले। हैंड ग्रेनेड देखकर एसटीएफ टीम के होश उड़ गए। तत्काल बम निरोधक दस्ता बुलाया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम अब्दुल रहमान निवासी अयोध्या बताया। सूत्रों की मानें तो आरोपी 02 मार्च यानी रविवार को फरीदाबाद पहुंचा था। लेकिन, हैंड ग्रेनेड लेकर यहां क्यों आया? इसके पीछे क्या उद्देश्य था? राम मंदिर में हमले की साजिश थी? या फिर कुछ और... इसका पता तो पूछताछ के बाद ही चल सकेगा।

थोक विक्रेता एवं वितरक प्रतिष्ठानों पर छापेमारी, लाखों का पान मसाला सीज

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में सहायक आयुक्त खाद्य मानिक चंद्र सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन की टीम ने पान मसालों के थोक विक्रेता व वितरक प्रतिष्ठानों पर छापा मारा। इस दौरान एक्सपायरी डेट के 17, 540 रुपये के पान मसाले को नष्ट कराने के साथ 7,67,540 रुपये का पान मसाला सीज भी किया गया। साथ ही कई नामचीन ब्रांड के पान मसालों के नमूने संग्रहित किए गए। एफडीए की टीम ने अकब बजाजा, चौक में वैशाली ट्रेडर्स पर एक्सपायरी डेट के 8400 रुपये मूल्य के 30 पैकेट सिग्नेचर गुटखा, 3920 रुपये के 14 डिब्बे व 8000 रुपये के 40 पैकेट गोमती पान मसाला, 1100 रुपये के 11 डिब्बे को नष्ट कराया। इस तरह कुल 21,420 रुपये के पान मसाला का नष्ट कराया गया। साथ ही रजनीगंधा के 10,640 रुपये के 38 डिब्बा, 6900 रुपये के 23 डिब्बा पान बहार कुल 17,540 रुपये के पान मसाले को सीज किया। रजनीगंधा और पान बहार मसाले का नमूना भी संग्रहित किया गया। इसी कड़ी में चौक घंटाघर के दूसरे प्रतिष्ठान आर्या ट्रेडर्स का निरीक्षण करते हुए 5,80,000 रुपये के कमला पसंद के 4000 बड़े पैकेट, 70,000 रुपये के कमला पसंद के 500 छोटे पैकेट, 60,000 रुपये के राजश्री गोल्ड के 500 पैकेट, 40,000 रुपये के राजश्री प्रीमियम के 400 पैकेट कुल 7,50,000 रुपये की सामग्री सीज की गई। इस फर्म से कमला पसंद व राजश्री पान मसाले के नमूने भी संग्रहित किए गए। टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रवीण त्रिपाठी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजय कुमार सोनी व सुमित चौधरी शामिल थीं।

बरात जाने के बाद आधी रात दूल्हे घर घूम रहे थे दो संदिग्ध, लोगों ने पेड़ से बांधकर धुना

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। रविवार को एक युवक की बरात गई थी। रात में उसके घर पर दो संदिग्ध युवक घूमते नजर आए। शक होने पर घर की महिलाओं ने ग्रामीणों की मदद से पकड़कर उनकी धुनाई कर दी। इसके बाद पुलिस को बुलाकर सौंप दिया। पुलिस जांच कर रही है।

घटना जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के लाभापार गांव की है। गांव निवासी रामकुशल वर्मा के पुत्र की रविवार को शादी थी। बरात मालीपुर थाना क्षेत्र के एक निजी मैरिज हाल में रुकी थी। इसी दौरान राम कुशल वर्मा के घर के पास कुछ युवक घूमते नजर आए।

महिलाओं को संदेह हुआ तो उन्होंने ग्रामीणों को सूचना दे दी। ग्रामीणों ने दो युवकों को पकड़कर खंभे से बांधकर बुरी तरह पिटाई कर दी। उनके कपड़े भी फाड़ दिए। मामले की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली।

इसके बाद दोनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एएसपी पूर्वी श्यामदेव ने बताया कि दोनों युवक हिरासत में हैं। मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। तहरीर अभी नहीं मिली है। जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, बंजर भूमि से अवैध मकान हटाया

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जिले के डुमरियागंज तहसील के राजस्व ग्राम देईपार में सोमवार को एक बड़ी कार्रवाई की गई। तहसीलदार रवि कुमार यादव के नेतृत्व में बंजर खाते की भूमि से अतिक्रमण हटाया गया।

गाटा संख्या 1187/502 हेक्टेयर की बंजर भूमि का सीमांकन किया गया। इस दौरान कब्जा कर्ता कृपानाथ पुत्र बच्चन का गैर आवासीय मकान खाली कराया गया।

कार्रवाई के दौरान क्षेत्रीय लेखपाल अंबिका प्रसाद, राजेश प्रताप मणि, ओमप्रकाश, संजय वरुण और वीरेंद्र कुमार यादव मौजूद रहे। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि उमा शंकर श्रीवास्तव, भवानीगंज पुलिस बल और अन्य ग्रामवासी भी कार्रवाई के दौरान उपस्थित थे।

चंद्रशेखर आजाद पर हमले के विरोध में धरना, सुरक्षा बढ़ाने की मांग

संवाददाता–संतकबीरनगर। आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने खलीलाबाद बाईपास से पैदल मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। जिलाध्यक्ष रामप्रसाद के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मथुरा में सांसद चंद्रशेखर आजाद के काफिले पर हुए हमले की निंदा की गई। कार्यकर्ताओं ने सांसद की सुरक्षा बढ़ाने और हमलावरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि मथुरा में पुलिस की मौजूदगी में काफिले पर दो बार हमला किया गया। कार्यकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश में बढ़ रही जातिगत हिंसा पर भी चिंता जताई। उन्होंने कई ताजा घटनाओं का जिक्र किया। करनावल गांव में एक दलित परिवार की बेटियों की शादी में बाराती और घरातियों पर हमला किया गया। सुरीर के निगलिया गांव में चंद्रपाल सूर्य के परिवार पर फायरिंग की गई, जिसमें तीन लोग घायल हुए। मेरठ के कालिंदी गांव में बारात पर हमला कर जेवर लूट लिए गए। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार जातिगत हिंसा और सामंती मानसिकता से प्रेरित अपराधों को रोकने में विफल रही है। इन घटनाओं से अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग और धार्मिक अल्पसंख्यकों में भय का माहौल है।

ट्रैक्टर–ट्राली की चोरी में दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर के थाना पथरा बाजार पुलिस ने चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की ट्राली, घटना में प्रयुक्त ट्रैक्टर, 2600 रुपये नकद और एक चाकू बरामद किया है। एसपी डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। एएसपी सिद्धार्थ और क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश वर्मा के नेतृत्व में पथरा बाजार पुलिस ने यह सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ईश्वर चंद्र पुत्र राम सुरेश और अनूप पुत्र कल्पनात के रूप में हुई है। दोनों परसा महापात्र, थाना सिद्धार्थनगर के रहने वाले हैं। आरोपियों को सेहरी घाट थाना पथरा बाजार से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी में प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पांडे, निरीक्षक अवधेश पांडे, उप–निरीक्षक संजीव शुक्ला और आरक्षी शुभम वर्मा व अनुपम मौर्य की टीम शामिल रही। आरोपियों के खिलाफ थाना स्थानीय पर मुकदमा संख्या 10/2025 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

कुम्हारों को मिला अनुसूचित जाति का दर्जा

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर में कुम्हार समुदाय को शिल्पकार श्रेणी के अंतर्गत अनुसूचित जाति का दर्जा मिला है। राज्यपाल की अनुशंसा पर जिलाधिकारी ने 27 फरवरी 2025 को इस संबंध में आदेश जारी किया है।

अतिपिछड़ा एकीकरण महाअभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल कुमार प्रजापति के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी खलीलाबाद से मुलाकात की। इस दौरान कुम्हारों को अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र जारी करने, शिल्पकारी योजना के लिए पीली मिट्टी के पट्टे और रोजगार हब की स्थापना के लिए जमीन की मांग रखी गई। अनिल कुमार प्रजापति ने ओमप्रकाश राजभर, डॉ. संजय निषाद और धर्मवीर प्रजापति पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये नेता अतिपिछड़े समाज को आरक्षण के नाम पर गुमराह कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने आर्टिकल 341 के तहत दिसंबर 2016 और जनवरी 2017 में आदेश जारी किए थे। इन आदेशों के तहत कुम्हारध्प्रजापति के पिछड़ी जाति प्रमाण पत्र पर रोक लगाई गई और उन्हें शिल्पकार श्रेणी में अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र देने का निर्देश दिया गया। प्रजापति ने चेतावनी दी कि यदि कोई तहसील कर्मचारी कुम्हार/प्रजापति को पिछड़ी जाति का प्रमाण पत्र जारी करता है, तो उसके खिलाफ आर्टिकल 341 के उल्लंघन में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। यह निर्णय उत्तर प्रदेश में कुम्हार सहित 17 अतिपिछड़ी जातियों के आरक्षण मामले में महत्वपूर्ण साबित होगा।

सड़क से हटेगी पुलिस चौकी, आंबेडकर प्रतिमा का होगा सुंदरीकरण –डीएम

संवाददाता–संतकबीरनगर। शहर में आवागमन की समस्या को दूर करने के लिए प्रशासन ने पहल की है। इसके तहत खलीलाबाद शहर के बैंक चौराहा पर सड़क पर बनी पुलिस चौकी वहां से हटेगी। इस पुलिस चौकी को पुरानी तहसील गेट के पास शिफ्ट करने की तैयारी है। इसके साथ ही बैंक चौराहे पर स्थापित आंबेडकर प्रतिमा का सुंदरीकरण कराया जाएगा। इससे आवागमन की बाधा दूर होने के साथ ही शहर में होने वाले जाम से भी राहत मिलने की उम्मीद है।

शहर के बैंक चौराहा पर जो पुलिस चौकी स्थापित की गई है, वह गोला बाजार के नाम से है। जगह के अभाव में इसे बैंक चौराहा से संचालित किया जा रहा है। यह पुलिस चौकी सड़क पर ही बनी है। ऐसे में त्रिपाठी मार्केट रेलवे क्रासिंग बंद होने के दौरान अक्सर चौराहे तक जाम लगता है। जिससे आवागमन में दिक्कत हो रही है।

इसको लेकर प्रशासन ने पहल की है और पुलिस चौकी को पुरानी तहसील के गेट के पास शिफ्ट करने के लिए नगर पालिका परिषद को निर्देशित किया गया है। दूसरी तरफ बैंक चौराहे पर डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित है। इसके सुंदरीकरण के लिए भी कदम उठाए जाने की तैयारी की जा रही है, ताकि पर्याप्त स्थान मिल सके और आवागमन भी सुगम हो सके।

शहर के त्रिपाठी मार्केट रेलवे क्रासिंग अक्सर बंद रहता है। कारण यह है कि खलीलाबाद रेलवे स्टेशन के नजदीक होने के चलते ट्रेनों के

गुजरने के दौरान गेट बंद करने की मजबूरी है। प्रतिदिन करीब 100 ट्रेनें गुजरती है, जिससे दोनों तरफ जाम लगता है। पुलिस चौकी के हटने और आंबेडकर प्रतिमा के सुंदरीकरण कराए जाने से जाम की समस्या से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

महेंद्र सिंह तंवर डीएम ने कहा कि शहर में जाम की समस्या को दूर करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए रिंग रोड आदि भी बनाए जा रहे हैं। अब बैंक चौराहा पर बनी पुलिस चौकी को हटाने के लिए तैयारी की जा रही है। इसके साथ ही आंबेडकर प्रतिमा का सुंदरीकरण भी कराया जाएगा।

गलत बिल से उपभोक्ता ही नहीं, कर्मचारी भी परेशान

संवाददाता–गोरखपुर। बिजली के निजीकरण के विरोध में प्रदेश भर में बिजली निगम के अधिकारी, कर्मचारी से लेकर निविदा कर्मी, संविदाकर्मी, कर्मचारी संगठन कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। यह मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा में है। प्राइवेट एजेंसियों को काम सौंपे जाने का असर पहले से ही दिख रहा है। दरअसल, बिलिंग की जिम्मेदारी प्राइवेट एजेंसियों के हवाले है। इनकी गलती का खामियाजा जेई, एसडीओ से लेकर अन्य विभागीय अधिकारियों को हर दिन झेलना पड़ रहा है। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निजीकरण के विरोध में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले अधिकारी–कर्मचारी पिछले 86 दिनों से विरोध कर रहे हैं। बिजली पंचायत से लेकर विरोध सभाओं तक के आयोजन मंडल मुख्यालय पर हो रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक निजीकरण का फैसला वापस नहीं होता, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इस विरोध प्रदर्शन के बाद भी कर्मियों को स्थानीय स्तर पर हर दिन समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। इन समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। सबसे बड़ी दिक्कत उपभोक्ताओं के लिए को लेकर है, जो कर्मियों की ईमानदारी पर हर दिन सवाल उठा रहे हैं। एजेंसी की मनमानी से हो रही बदनामीरू बिजली निगम के कर्मचारी प्रभुनाथ कहते हैं कि उपभोक्ताओं की सबसे बड़ी जरूरत है समय पर सही बिल मिलना। लेकिन, यह बिल उन्हें न तो समय से मिल रहा है न ही सही मिल रहा है। बिलिंग के काम में लगी एजेंसियों की मनमानी से हर दिन बदनामी का दाग झेलना पड़ रहा है। एजेंसियों ने बिलिंग के लिए जो कर्मचारी लगाए हैं, वे सही समय पर बिल नहीं निकाल रहे हैं। अगर किसी तरह बिल निकाल भी दे रहे हैं तो उसमें भी तमाम गलतियां हैं। यह कहानी एक दिन की नहीं है। हर माह करीब 20 से 22 हजार उपभोक्ताओं के गलत बिल निकल रहे हैं। इसे लेकर कई बार लिखा–पढ़ी की गई, लेकिन हर बार एजेंसी के दबाव में हमारी शिकायतों को नजर अंदाज कर दिया जाता है।

निजीकरण के सवाल पर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक पुष्पेंद्र सिंह बताते हैं कि शहर में हम लोग सात रुपये यूनिट के हिसाब से उपभोक्ताओं को बिजली दे रहे हैं। शहरी क्षेत्र में हम प्रॉफिट में है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्र में कम घाटे पर बिजली की सप्लाई है। लेकिन, ग्रामीण क्षेत्रों में घाटे की वजह यह है कि उपभोक्ता समय से बिल नहीं जमा कर रहे हैं। अगर दबाव बनाते हैं तो कई तरह के आरोप लगने शुरू हो जाते हैं। अगर निजीकरण हुआ तो शहरी क्षेत्र की बिजली का रेट तत्काल बढ़ जाएगा। क्योंकि, आगरा में यह खेल खेला गया है, जिसका फायदा निजी कंपनियों को सीधे तौर पर मिल रहा है। ऐसी स्थिति में निजीकरण की नीति उपभोक्ताओं के हित में बिल्कुल नहीं है।

बिजली कर्मचारी अखिलेश गुप्ता बताते हैं कि उपभोक्ताओं को नए कनेक्शन देने के लिए कई तरह के उपकरणों की जरूरत होती है। इसके अलावा मेंटिनेंस के लिए कई तरह के उपकरण चाहिए होते हैं। लेकिन, मेंटिनेंस के नाम पर न तो समय पर पोल मिल पाते हैं न ही तार। नए कनेक्शन देने के लिए कई बार महीनों–महीनों मीटर तक नहीं मिल पाता है। इसकी शिकायत उपभोक्ता सीधे तौर पर क्षेत्र के जेई से लेकर एसडीओ तक से करते हैं। इसके बाद भी इन उपकरणों के लिए कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है।

बिजली निगम में मैन पॉवर कमी से हर दिन मुश्किलें खड़ी हो रही है। बिजली निगम के कर्मचारी जय नारायण यादव बताते हैं कि हर सब स्टेशन पर अनुरक्षण कार्य के लिए छह गैंग होने चाहिए। लेकिन, इसके आधे भी नहीं है। जबकि, वर्कलोड इतना अधिक है। इन कर्मियों से ही 24–24 घंटे काम कराने पड़ते हैं। ठंड में तो कुछ हद तक राहत मिल जाती है, लेकिन गर्मी में कर्मियों सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। ब्रेक डाउन लेने में पसीने छूट जाते हैं। ग्रामीण में कर्मियों की स्थिति ऐसी है कि तीन फीडर पर तीन कर्मचारी काम कर रहे हैं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी राजकुमार श्रीवास्तव पुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव मुहल्ला खीरीघाट मिश्रौलिया जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे पुत्र राज मोहित श्रीवास्तव के शैक्षणिक अभिलेख, विद्यालय के नाम में त्रुटि बश स्पेश न देकर राजमोहित श्रीवास्तव हो गया है जो गलत है। उसे राज मोहित श्रीवास्तव कराया जाय।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक– स्वर्गीय दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com